तापमान

अधिकतम 44.5 डिग्री

न्यूनतम 28.2 डिग्री

हरिभूमि

रेवाड़ी भूमि

रोहतक, रविवार 26 मई 2024

10 सुबह मतदाताओं में जोश, दोपहर के समय भीड़ शाम को बूथ खाली, 64 फीसदी पर सिमटा मतदान

11 पार्कों में सीवर ओवरफ्लो, सड़कों पर रात के अंधेरे में जलाया जा रहा कचरा

निश्चित सफलता का पर्यायवाची बन चुकी रॉयल डिफेंस अकेडमी, जींद में आपका स्वागत है

ROYAL DEFENCE ACADEMY, JIND

सैनिकों के बच्चों के लिए विशेष छूट.

- 33 सैनिक स्कूल
- 5 राष्ट्रीय मिल्ट्री स्कूल
- RIMC (देहरादून)
- सभी नवोदय स्कूल
- गुरूकुल (कुरुक्षेत्र)

में प्रवेश परीक्षा हेतु कोचिंग की उत्तम व्यवस्था

ऑल इंडिया टॉपर व सबसे ज्यादा सिलेक्शन देने वाला एकमात्र संस्थान

LIMITED SEATS ARE AVAILABLE

Yash Malik 390/400

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Jind - 16 Mar 2024 - Page 2

परीक्षा में 400 में से 390 अंक प्राप्त कर प्रथम रैंक हासिल की

यश मलिक ने पाया देश में अव्वल स्थान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ | जींद

गोहाना बाईपास पर अशरफगढ़ गांव के पास स्थित रॉयल डिफेंस अकादमी के छात्र यश मलिक ने ऑल इंडिया सैनिक स्कूल एंट्रेंस एग्जामिनेशन में देशभर में प्रथम रैंक हासिल कर रॉयल डिफेंस अकादमी व जींद जिले का संपूर्ण देश में नाम रोशन कर दिया है। यश मलिक ने इस परीक्षा में 400 में से 390 अंक प्राप्त कर प्रथम रैंक हासिल की है। इस परीक्षा में मैथ, इंटेलिजेंस और जनरल साइंस के एग्जाम में यश मलिक को पूरे अंक मिले। वहीं इंग्लिश में छह अंक और सोशल साइंस में चार अंक कम प्राप्त हुए। यश मलिक की इस सफलता पर उनके परिवार के साथ-साथ अकादमी और संपूर्ण जींद जिले में एक खुशी की लहर है। जींद जिले में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी छात्र ने संपूर्ण देश में किसी एंट्रेंस एग्जाम में प्रथम स्थान हासिल किया है। यश मलिक ने बताया कि उन्होंने इससे पहले भी एक बार सैनिक स्कूल का एंट्रेंस एग्जाम दिया था।

जींद। यश के ऑल इंडिया सैनिक स्कूल एंट्रेंस एग्जामिनेशन में प्रथम रैंक हासिल करने पर झूमते बच्चे।

प्रतिदिन 12 से 14 घंटे पढ़ाई की

उसमें उत्तीर्ण हो गया था, मगर उन नंबरों से वो खुद संतुष्ट नहीं थे। इसलिए उन्होंने ठाना था कि दोबारा परीक्षा देंगे। अकादमी में शिक्षकों द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों पर प्रतिदिन 12 से 14 घंटे पढ़ाई की। रॉयल डिफेंस अकादमी के चेयरमैन डा. अशोक कुमार ने कहा कि एक शिक्षक का जीवन सही मायने में तभी सफल माना जाता है जब उससे शिक्षा ग्रहण कर उनके शिष्य अपने परिवार, गुरुजन और अपने देश का नाम रोशन करें। यश मलिक ने अपने परिवार के साथ साथ संपूर्ण जींद जिले का देशभर में नाम रोशन किया है। मैनेजिंग डायरेक्टर डा. निर्मल ने बताया कि इस परीक्षा की तैयारी हेतु स्कूल का स्टाफ दिन-रात मेहनत कर बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु तैयार करता है। यही कारण है कि आज अकादमी के 25 बच्चों ने इस परीक्षा में सफलता हासिल की है।

हमारी विशेषता हमारा उच्च परिणाम

1 FIRST Rank in All India Sainik School Entrance Exam 2024

- Well Experined Faculty
- Fully Air Tight Hostel
- Healthy Class Room Environment

Separate Hostel Facilities for Boys / Girls

- Healthy & Nutritious Food
- Sports Trainer & RO Facilities
- Security Guard & CCTV Camera

Hardeep Singh (NDA) · Tushar (RMS/SS) · Yash Redhu (RMS/SS) · Albert (RMS/SS) · Subham Balda (SS) · Ashutosh (SS) · Shourya (SS) · Arman (SS) · Neha (MNS Officer) · Arush (RMS/SS) · Pavitara (RMS) · Subham (SKZM)

Yuvraj (SS/K Gurukul) · Naman (SS/K Gurukul) · Krish (K Gurukul) · Shanvi (SS) · Kamya (SS) · Anshika (SS) · Hemanksh (SS) · Lakshya (SS) · Tonish (SS) · Hitesh (Gurukul) · Tanvi (SS) · Chirag (Gurukul)

Anant (SS) · Gaurav (SS) · Yashwinder (SS) · Ojas (SS/K Gurukul) · Sidharth (SS/K Gurukul) · Vansh (SS) · Samir (SS) · Harshit (SS) · Kafi (SS) · Gurmit (SS)

Next You

Dr. Nirmal
Managing Director

पता: अशरफगढ़ (धौड़ी) गोहाना रोड, नजदीक वुडस्टॉक स्कूल, जींद

8168539749 | 9034560480 | 9034660295

Email : royaldefenceacademy01@gmail.com, Website : royaldefenceacademyjind.com

Dr. Ashok Kumar
Director

खबर संक्षेप

बाबा भैरूनाथ आश्रम से नकदी व जेवरात चोरी

कुंड। खोल स्थित बाबा भैरूनाथ आश्रम का जंगला तोड़कर चोर चोरी कर ले गए। आश्रम के महंत लालनाथ ने खोल थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 24 मई चोर आश्रम का जंगला तोड़कर अंदर घुस गए। सुबह जांच करने पर अलमारी से सभी कागजात, नकदी व जेवरात गायब मिले। चोर पूजा का सामान भी चोरी कर ले गए। पुलिस ने मौके का मुआयना कर अज्ञात पर चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

चिमनावास में तीन ट्यूबवेल से केबल चोरी

कुंड। गांव चिमनावास स्थित ट्यूबवेलों से चोर केबल चोरी कर ले गए। चिमनावास निवासी सुनील कुमार ने खोल थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 23 मई को वह ट्यूबवेल से होकर गया था। सुबह आकर देखा तो वहां से केबल गायब मिली। चोर गांव के सुरेश व मनमोहन के ट्यूबवेल से भी केबल चोरी कर ले गए। तीनों ट्यूबवेल से करीब 600 फीट केबल चोरी हो गई है। पुलिस ने अज्ञात पर चोरी का केस दर्ज किया है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

रेवाड़ी। कुंड हनुमान मंदिर के निकट अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। श्योताज निवासी डूमरौली जिला बहरोड ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके लड़के सोनू ने गांव माजरा में वेल्डिंग की दुकान कर रखी है। 22 मई की रात करीब 10 बजे उसको सूचना मिली की सोनू का एक्सीडेंट हो गया है। मौके पर पहुंचकर पता चला कि सोनू की बाइक को किसी तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी है। राहगीरों ने घायल को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया। गंभीर चोटें होने के कारण सोनू को जयपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौते हो गई। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक पर केस दर्ज कर लिया है।

आंगनबाड़ी केंद्र से नल की टोटियां चोरी

रेवाड़ी। गांव पदैयावास के आंगनबाड़ी केंद्र में चोरी हो गई। गांव की सरपंच पूनम बाई ने मॉडल टाउन थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आंगनबाड़ी वर्कर सरोज व सुनीता ने उनको फोन पर सूचना दी। चोर आंगनबाड़ी केंद्र से वाशवेसन की टोटी व शौचालय की 5 टोटी चोरी कर ले गए और वाशवेसन को भी तोड़ गए। पुलिस ने सरपंच की शिकायत पर अज्ञात पर चोरी का केस दर्ज किया है।

कंपनी में इंटरव्यू देने गया व्यक्ति लापता

रेवाड़ी। कंपनी में इंटरव्यू देने के लिए गया एक व्यक्ति लापता हो गया। गांव बल्लापुर जिला गाजीपूर थाना मोहनावाबाद उत्तर प्रदेश हाल में सरस्वती विहार कालाका रोड निवासी अंशु ने मॉडल टाउन थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पति आदित्य 23 मई को सुबह बावल स्थित कंपनी बावल में इंटरव्यू देने के लिए गया था, परंतु वह अभी तक वापस नहीं आया है और न ही उसका कोई फोन नहीं आया है। पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

धारूहेड़ा। गांव आंकेड़ा के निकट कार चालक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। गभाना अलीगढ़ उतरप्रदेश हाल किरायेदार नारायण विहार आंकेड़ा निवासी प्रवीण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 23 मई को उसका पति राजू बाइक से घर आ रहा था। जब वह नारायण विहार पेट्रोल पंप के निकट पहुंचा तो कार चालक ने पीछे से उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे उसे गंभीर चोटें आई। घायल को ट्रामा सेंटर भर्ती कराया गया। पुलिस ने कार चालक पर केस दर्ज कर लिया है।

ईवीएम में तकनीकी खराबी से कुछ बूथों पर देरी से शुरू हुआ मतदान

सुबह मतदाताओं में जोश, दोपहर के समय भीड़ शाम को बूथ खाली, 64 फीसदी पर सिमटा मतदान

- जिले के तीन हलकों के मतदाताओं ने दो लोकसभा प्रत्याशियों के लिए डाले वोट

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

देश की सर्वोच्च पंचायत लोकसभा के लिए शनिवार को मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। जिले के तीन विधानसभा हलकों के मतदाताओं ने दो लोकसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के चयन के लिए अपने मत का इस्तेमाल किया। भारी गर्मी होने के कारण सुबह के समय मतदाताओं ने रूचि दिखाई। दोपहर के समय गर्मी के बावजूद पोलिंग बूथों पर मतदाताओं की भीड़ रही, लेकिन शाम के समय अधिकांश बूथों पर मतदाताओं की कमी रही। नतीजा यह रहा कि जिले में कुल मतदान प्रतिशत 64.4 तक सिमटकर रह गया। गत लोकसभा चुनावों में गुरूग्राम लोकसभा क्षेत्र के 67.26 फीसदी मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया था।

सुबह 7 बजे मतदान शुरू होते ही शहर के नई बस्ती के बूथ नंबर 148 पर ईवीएम में तकनीकी खराबी आने से मतदान करीब 15 मिनट की देरी से शुरू हुआ। देहलावास गुलाबपुरा व गोकलगढ़ में भी एक-एक बूथ पर मशीनों में तकनीकी खराबी आई, जिसे जल्द दूर कर दिया गया। इन बूथों पर भी मतदान 10 से 15 मिनट की देरी से शुरू हुआ। सुबह के समय मतदाताओं ने कुछ बूथों पर अच्छा उत्साह दिखाया। इन बूथों पर मतदान शुरू होते ही लाइनें लगनी शुरू हो गईं। सुबह 10 बजे के बाद गर्मी का प्रकोप शुरू होते ही बूथ खाली नजर आने लगे। शहर के बूथों पर मतदाताओं की ज्यादा दिलचस्पी शाम के समय ही देखने को मिली। प्रत्याशियों के समर्थक बुजुर्ग और बीमार मतदाताओं को बूथों तक पहुंचाने में लगे हुए थे। दोपहर के समय लू का प्रकोप अपना काम कर रहा था। भारी लू के चलते मतदाताओं का रूझान बूथों की ओर कम हो गया। कई बूथों पर पोलिंग पार्टियों के कर्मचारी मतदाताओं के आने का इंतजार करते रहे। गुरूग्राम सीट पर दोपहर 1 बजे तक 30.59 फीसदी मतदाताओं ने ही मत का प्रयोग किया था। बावल हलके में मतदान की गति तेज रही। इस हलके में दोपहर 1 बजे तक 38 फीसदी मतदाताओं ने वोट डाले। रेवाड़ी हलके में इस समय तक 33.73 फीसदी लोगों ने वोट डाले। रोहतक के कोसली हलके में 40 फीसदी मतदाता दोपहर 1 बजे तक अपने मत का प्रयोग कर चुके थे।

रेवाड़ी। बूथ पर लगी मतदाताओं की कतार, वोट डालने के बाद सेल्फी लेते मतदाता, 87 वर्षीय बुजुर्ग को वोट डलवाकर लाता परिवार। फोटो :हरिभूमि

91 साल की विद्या देवी पहुंची बहू के साथ

बिठवाना में 91 वर्षीय विद्या देवी अपनी पुत्रवधु के साथ वोट डालने के लिए पहुंची। वयोवृद्ध महिला ने कहा कि वह हर चुनाव में अपने मत का प्रयोग करती है। मतदान के दिन पहला काम वोट डालने का होता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ लोकतंत्र के लिए युवा पीढ़ी को अधिक से अधिक मतदान करने में रूचि दिखानी चाहिए। मतदान केंद्र में जाने के बाद उसने पुत्रवधु के सहयोग से ईवीएम का बटन दबाया। 95 वर्षीय मोहरली देवी ने धारूहेड़ा में मतदान किया।

रेवाड़ी। 91 वर्षीय विद्या देवी अपनी पुत्रवधु के साथ। फोटो :हरिभूमि

106 वर्षीय 'जवान' ने भी किया मतदान

जैनाबाद निवासी 106 वर्ष के 'जवान' हरद्वारीलाल ने अपने तीन पीढ़ियों के साथ मतदान केंद्र जाकर अपने मत का प्रयोग किया। इस वयोवृद्ध नागरिक के साथ उसके बेटे, पोते और प्रपौत्र मतदान केंद्र पर अपने मत का प्रयोग करने के लिए पहुंचे। हरद्वारीलाल पंचायत चुनाव से लेकर लोकसभा चुनाव तक में हर बार वोटिंग करने से नहीं चूकते। हालांकि वोटिंग में उन्हें परिवार के सदस्यों की मदद लेनी पड़ती है, लेकिन परिजन वोट उनकी मर्जी के मुताबिक ही डलवाते हैं।

रेवाड़ी। 106 वर्षीय हरद्वारी लाल वोट डालने के बाद। फोटो :हरिभूमि

किन्नर ने पहली बार किया मत का प्रयोग

रेवाड़ी के इतिहास में पहली बार किन्नर ने अपने मत का प्रयोग किया। जिले में 8 किन्नर मतदाता हैं। शहर में किन्नर के लीडर महंत रुकसार ने शहर के एक बूथ पर वोटिंग करने के बाद कहा कि लोकतंत्र में चुनाव एक पर्व है। उसने इस पर्व में पहली बार हिस्सा लिया है। लोगों को मतदान में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेना चाहिए।

रेवाड़ी। वोट डालकर आते हुए किन्नर रुकसार।

इन दिग्गज नेताओं ने परिवार के साथ किया मतदान

मतदान को लेकर लोगों दिखा उत्साह

रेवाड़ी। परिवार के साथ वोट डालकर आती भाजपा प्रदेश प्रवक्ता वंदना पोपली।

रेवाड़ी। परिवार के साथ वोट डालकर आते पर्यटन निगम के चेयरमैन डा. अरविंद यादव। फोटो :हरिभूमि

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता वंदना पोपली

भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता व वरिष्ठ नेत्री वंदना पोपली ने अपने पति नवीन पोपली व बेटी भव्या के साथ हिंदू हाई स्कूल के बूथ पर जाकर मतदान किया। इस मौके पर वंदना पोपली ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए अधिक से अधिक लोगों को अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारी गर्मी के बीच भी लोगों में मतदान को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। देश की जनता मोदी को फिर से पीएम बनाने के लिए उत्साहित है। भाजपा के पक्ष में अच्छा मतदान हो रहा है।

भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह

गुरूग्राम लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह ने अपनी पत्नी मनीता सिंह व बेटी आरती राव के साथ रामपुरा गांव के मतदान केंद्र में जाकर अपने मत का इस्तेमाल किया। इस मौके पर राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि भारी गर्मी के बावजूद लोग मतदान में उत्साह दिखा रहे हैं, जो लोकतंत्र के लिए जरूरी है। अपनी जीत के प्रति आश्वस्त नजर आ रहे राव ने कहा कि उनके सामने बाहरी प्रत्याशी होने के कारण इलाके के लोग उन्हें भारी संख्या में वोट दे रहे हैं। उन्हें रिकॉर्ड मतों से जीत की पूरी उम्मीद है।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

कैबिनेट मिनिस्टर डा. बनवारीलाल लोकतंत्र के पर्व पर कैबिनेट मंत्री डा. बनवारीलाल ने अपनी पत्नी ममता, पुत्र डा. पंकज व पुत्रवधु डा. कोमल के साथ बावल के कन्या मॉडर्न स्कूल में मतदान केंद्र पर जाकर अपने मत का प्रयोग किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के पावन पर्व पर सभी को अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। युवाओं को मतदान के प्रति रूचि दिखाकर दूसरे लोगों को भी प्रेरित करना चाहिए। मतदान के दौरान आपसी सौहार्द व भाईचारा कायम रखना चाहिए। चुनावों को लेकर किसी तरह की रंजिश नहीं रखनी चाहिए।

पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव

पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने अपने विधायक बेटे चिरंजीव राव, पत्नी शकुंतला यादव, भतीते की पत्नी विक्रम यादव व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ जाकर हिंदू हाई स्कूल के बूथ पर मतदान किया। इस मौके पर कैप्टन अजयसिंह यादव ने कहा कि शहर के लोगों ने मतदान में काफी उत्साह दिखाया है, जो कांग्रेस के पक्ष में नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए अधिक से अधिक मतदान किया जाना जरूरी है। लोगों को इसमें अपनी अधिक से अधिक भागीदारी निभानी चाहिए।

निगम चेयरमैन डा. अरविंद यादव

पर्यटन निगम के चेयरमैन डा. अरविंद यादव ने अपनी पत्नी आशा यादव, पुत्र अनिरुद्ध, पुत्रवधु अरुणिमा, पुत्री अदिति, अंकिता व दामाद अविनाश के साथ शिशुशाला स्कूल के बूथ पर जाकर अपने मत का प्रयोग किया। इस मौके पर डा. अरविंद यादव ने कहा भारी गर्मी के बीच लोगों में मतदान के प्रति उत्साह देखने को मिल रहा है। यह लोकतंत्र की मजबूती के लिए सकरात्मकता का प्रतीक है। उन्होंने दावा किया गुरूग्राम सीट पर इस बार भाजपा प्रत्याशी की पहले से अधिक मार्जिन से जीत होगी।

गुरुग्राम लोकसभा में शाम तक वोटिंग प्रतिशत

गुरुग्राम-	59.6 फीसदी वोटिंग
बादशाहपुर-	54.4 फीसदी वोटिंग
बावल-	65.9 फीसदी वोटिंग
फिरोजपुर झिरका-	64 फीसदी वोटिंग
गुरुग्राम-	52.9 फीसदी वोटिंग
नूंह-	64.7 फीसदी वोटिंग
पटौदी-	64.1 फीसदी वोटिंग
पुन्हाना-	61 फीसदी वोटिंग
रेवाड़ी-	64.4 फीसदी वोटिंग
सोहना-	58.1 फीसदी वोटिंग

कोसली के विधायक लक्ष्मण यादव

कोसली विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने सेक्टर-4 के राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला के बूथ पर पत्नी सविता यादव, पुत्र एडवोकेट निशांत यादव व पुत्रवधु सरला यादव के साथ मतदान किया। इस मौके पर लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी पंचायत में पहुंचने वाले प्रत्याशियों का चुनाव हो रहा है। भारत दुनिया की तीसरी सबसी बड़ी शक्ति बनने की दिशा में भी तेजी से अग्रसर है। यह सब लोगों की वोट की ताकत से ही संभव हो पाया है। उन्होंने मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में वोट करने की अपील की।

रेवाड़ी। परिवार के साथ वोट डालकर आते कोसली विधायक लक्ष्मण यादव।

परिवार के साथ विजय सोमाणी

राष्ट्रीय नवचेतना मंच के अखिल भारतीय संयोजक जननेता विजय सोमाणी ने शनिवार सुबह मतदान शुरू होते ही सुबह 7 बजे नई अनाज मंडी स्थित मार्केट कमेटी कार्यालय में बने बूथ पर पत्नी मंजू सोमाणी, पुत्र परिवर्तन आर्य तथा पुत्री के वोट डाला। इस मौके पर सोमाणी ने कहा कि मतदाता लोकतंत्र के इस सबसे बड़े पर्व रूपी यज्ञ में अपनी आहुति अवश्य डालें। उन्होंने कहा कि बेशक गर्मी काफी है, लेकिन जनता इस गर्मी की परवाह न करते हुए अपने लोकतांत्रिक रूपी अधिकार का पूरी शक्ति के साथ प्रयोग करें। सोमाणी ने कई दिनों से अधिक से अधिक मतदान करने की मुहिम चलाई हुई थी।

रेवाड़ी। वोट डालने के बाद परिवार के साथ विजय सोमाणी। फोटो :हरिभूमि

चुनाव दोपहर बाद पार्टी प्रत्याशी ने एक्टिव किए कई बूथों पर एजेंट, भाजपा कार्यकर्ताओं ने हर बूथ पर दिखाई पूरी सक्रियता

बूथ मैनेजमेंट में मात खा गई कांग्रेस, कई बूथों पर नजर नहीं आए पार्टी एजेंट

नरेन्द्र वत्स ▸▸| रेवाड़ी

गुरूग्राम लोकसभा सीट पर परिणाम बेशक कुछ भी रहे, परंतु बूथ मैनेजमेंट के मामले में कांग्रेस भाजपा के मुकाबले काफी कमजोर नजर आई। कई बूथों पर तो पार्टी के पोलिंग एजेंट भी नजर नहीं आए, जबकि कुछ बूथों पर बाहर पर्ची काटने वाले तक मौजूद नहीं रहे। दोपहर बाद पार्टी प्रत्याशी राज बब्बर ने मोर्चा संभालते हुए अपने कार्यकर्ताओं को बूथों पर सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए। कांग्रेस के मुकाबले भाजपा कार्यकर्ताओं ने बूथों पर बखूबी मोर्चा संभाले रखा। सुबह मतदान शुरू होने के बाद ही कई बूथों पर मतदाताओं को वोटर स्लिप देने वाले पार्टी कार्यकर्ता तक नजर नहीं आए। बावल एरिया में ऐसे कई बूथ देखे गए। मतदान केंद्रों के अंदर भी कई बूथों पर कांग्रेस के एजेंट नजर नहीं आए। पटौदी हलके में भी कई बूथों पर ऐसे ही हालत नजर आए। इससे इस बात का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है कि पार्टी प्रत्याशी बूथ मैनेजमेंट के मामले में मात खा गए। पूर्व सीएम हुड्डा के खास समर्थक माने वाले कांग्रेसी भी बूथों पर ज्यादा एक्टिव नजर नहीं आए। इसके विपरीत भाजपा कार्यकर्ताओं की टीम बूथ मैनेजमेंट के मामले में बाजी मार गई। हर बूथ पर भाजपा की टीम मजबूती के साथ बूथ के अंदर और बाहर पूरी सक्रियता दिखा रही थी। भाजपा के बूथ मैनेजमेंट में पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं की बजाय राव इंद्रजीत सिंह के खास समर्थक मजबूती के साथ मोर्चा संभालकर हर गतिविधि पर पैनी नजर रखे हुए थी। लगभग हर बूथ पर राव ने अपने खास समर्थकों को विशेष रूप से तैनात किया हुआ था। बूथों पर एजेंटों और कार्यकर्ताओं की कमी की सूचना के बाद पार्टी प्रत्याशी राज बब्बर ने कार्यकर्ताओं को संदेश भेजकर एक्टिव होने के निर्देश दिए, परंतु तब तक काफी देर हो चुकी थी।

रेवाड़ी। नई अनाजमंडी स्थित पोलिंग बूथ। फोटो :हरिभूमि

पार्टी संगठन की कमी आई आड़े

कांग्रेस आपसी गुटबाजी के चलते अपना मजबूत संगठन लोकसभा चुनावों तक भी नहीं खड़ा कर पाई। इसके विपरीत भाजपा के बाद संगठन में बूथ स्तर पर पदाधिकारी मौजूद हैं। संगठन की कमी के कारण कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर खुद को मजबूती से खड़ा होने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई। कई बूथों पर कांग्रेस के थैले तक पकड़ने वाले नजर नहीं आए, जिससे मतदाताओं में भी नेगेटिव मैसेज जाता रहा।

इनेलो-जेजेपी पिक्चर से गायब

इस सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच होने के कारण इनेलो और जेजेपी बूथ लेवल पर कहीं सक्रिय नजर नहीं आईं। जेजेपी प्रत्याशी राहुल फाजिलपुरिया ने प्रचार के दौरान सक्रियता दिखाई थी, लेकिन इनेलो प्रत्याशी हाजी शोहराब खान एक दिन ही क्षेत्र में दस्तक देने के लिए आए थे। इन दोनों दलों के समर्थक बूथों पर नजर नहीं आ रहे थे। इनके नतीजे भी गत लोकसभा चुनावों से ज्यादा परिवर्तनशील होने की संभावना नहीं बनी।

पुराने कार्यकर्ताओं ने बनाए रखी दूरी

कांग्रेस की तरह मतदान के दौरान भाजपा की गुटबाजी भी बरकरार रही। भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं का प्रचार से किनारा करने के कारण उनके समर्थक भी मतदान के दौरान सक्रिय नजर नहीं आए। हालांकि पार्टी में भीतरघात जैसी कोई आशंका नजर नहीं आई, परंतु पार्टी प्रत्याशी का खुलकर साथ निभाते हुए भी पुराने कार्यकर्ता कहीं दिखाई नहीं दिए। इसके बावजूद पार्टी प्रत्याशी को ज्यादा नुकसान की गुंजाइश कम नजर आ रही है।

खबर संक्षेप

मंदिर से बाइक चोरी करने का आरोपी काबू

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने बिठवाना मंदिर से 8 मई को बाइक चोरी करने के आरोप में एक युवक को काबू किया है। सीहा निवासी राहुल बाइक लेकर बिठवाना मंदिर में आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने के लिए आया था। इसी दौरान उसकी बाइक चोरी हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में सुरहेली निवासी गूगन को गिरफ्तार किया है। आरोपी से बाइक बरामद करने के बाद पूछताछ शुरू कर दी।

अवैध शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। चुनाव आचार संहिता के चलते अवैध रूप से शराब बेचने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आनंद नगर निवासी मक्खनलाल अपनी दुकान पर शराब बेच रहा था। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उसे मौके पर जाकर काबू कर लिया। उसके कब्जे से 27 पव्वे शराब व बीयर बरामद हुई। कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपी को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

नहर में डूबने से एक युवक की मौत

रेवाड़ी। आसलवास के पास नहर में डूबने से 30 वर्षीय युवक की मौत हो गई। बखापुर निवासी दलीप घर से निकलने के बाद दो दिन पूर्व लापता हो गया था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। गत शुक्रवार को पुलिस ने नहर से एक शव बरामद किया था। बाद में उसकी शिनाख्त दलीप के रूप में हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। नहर में डूबने के कारणों की जांच की जा रही है।

तीन लोगों ने दुकानदार से की मारपीट, केस दर्ज

रेवाड़ी। दिल्ली रोड न्यू बालाजी मार्केट में एक दुकानदार के साथ मारपीट करने के आरोप में सिटी पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। फदनी निवासी अरुण कुमार ने बालाजी मार्केट में दुकान की हुई है। पुलिस बयान में बताया कि मांढेया निवासी रोहित, ततारपुर निवासी गौरव व रोहित को वह काफी समय से जानता है। उसने इन लोगों का फोन नहीं उठाया था। तीनों ने उसकी दुकान पर आकर उसके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

नगर परिषद की सुस्ती से लोग परेशान, शहर में नहीं बन पा रही सफाई व्यवस्था

पार्कों में सीवर ओवरफ्लो, सड़कों पर रात के अंधेरे में जलाया जा रहा कचरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

नगर परिषद अधिकारियों की लापरवाही व सुस्त कार्यशैली के कारण शहर पूरी तरह गंदगी से सरोबार हो चुका है। कचरा कलेक्शन ठेकेदार व सफाई कर्मियों की ओर से सड़कों से कचरा नहीं उठाए जाने के कारण आसपास के दुकानदार रात के अंधेरे में कचरे को आग लगाकर जला रहे है, जिससे अव्यवस्था फैलने के साथ वातावरण भी दूषित हो रहा है। शहर के मुख्य मार्गों, कॉलोनियों व मोहल्लों में सफाई व्यवस्था बुरी तरह चरमराई हुई है। शहर में एक भी डस्टबिन न होने व कचरा कलेक्शन की गाड़ियां न पहुंचने से लोगों ने सड़कों पर कचरा डालकर अनावश्यक कचरा प्वाइंट बना लिए है। पिछले दिनों नगर परिषद की ओर से अभियान चलाकर अनावश्यक कचरा प्वाइंट खत्म किए गए थे, लेकिन बाद में यिान सुस्त पड जाने के कारण यह कचरा प्वाइंट फिर से एक्टिव हो चुके है। इसके अलावा नेहरू पार्क में पिछले 10 दिनों से सीवर ओवरफ्लों होने से गंदा पानी भरा हुआ है, लेकिन विभाग की ओर से इस ओर कोई ध्यान तक नहीं दिया जा रहा है।

रेवाड़ी। ब्रास मार्केट में पार्क के पास जलाया गया कचरा तथा अनाजमंडी में ग्रीन बेल्ट के पास जमा गंदा पानी। फोटो : हरिभूमि

कचरा कलेक्शन गाड़ियों की शुरू से कमी

नगर परिषद की ओर से राजेश पायलट चौक, दिल्ली रोड, ब्रास मार्केट व पुराना कोर्ट रोड पर अनावश्यक कचरा प्वाइंट खत्म किए गए, लेकिन वहां फिर से कचरा डाला जा रहा है। इसका मुख्य कारण सब जगह कचरा कलेक्शन की गाड़ियों का नहीं पहुंचना है, जिसके कारण लोग सड़कों पर कचरा डालकर अनावश्यक कचरा प्वाइंट तैयार कर रहे है।

सड़कों पर डस्टबिन की जरूरत

शहर की कॉलोनियों सहित मुख्य मार्गों पर डस्टबिन की ज्यादा जरूरत है। डस्टबिन न होने के कारण सड़कों पर कचरा फैल रहा है। कचरा कलेक्शन का ठेका देने से पहले सचिवालय के पास, गढ़ी बोलनी रोड, मॉडल टाउन व पुराना कोर्ट रोड सहित सभी प्रमुख मार्गों पर डस्टबिन रखे हुए थे। डस्टबिनों के हटने से कचरा सड़कों पर फैल रहा है। शहर में करीब 300 बड़े डस्टबिनों की जरूरत है।

अनाजमंडी में जमा गंदा पानी

नई अनाजमंडी की ग्रीन बेल्ट में भी लंबे समय से गंदा पानी जमा हो रहा है। मार्केट कमेटी की ओर से इस समस्या का स्थाई समाधान तक नहीं किया जा रहा है। सड़क पर जमा गंदे पानी की वजह से आसपास रहने वाले व्यापारियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। गंदे पानी के जमा होने से बीमारियां होने का भी अंदेशा बना रहता है।

शहर में नहीं एक भी डस्टबिन

शहर के मुख्य मार्गो पर कचरा डंपिंग स्टेशन तो बने हुए है, लेकिन इन सभी जगहों पर पिछले 7 महीने से डस्टबिन नहीं है, जिसके कारण कचरा सड़क पर फैल रहा है। सड़कों पर जमा कचरे में गोवंश भी मुंह मारते रहते है, जिससे व्यवस्था और भी ज्यादा बिगड रही है। यह गोवंश कचरा फैलाने के साथ आपस में लड़ाई करके हादसे का कारण भी बन रहे है।

कचरे का उठान नहीं, लगाई जा रही आग

कर्मचारियों की ओर से शहर में सफाई करने के बाद एकत्रित किए गए कचरे का समय पर उठान भी नहीं किया जा रहा है, जिससे कचरा वापस सड़क पर फैल रहा है। कचरे के ज्यादा मात्रा में जमा होने पर आसपास के लोग उसमे आग भी लगा रहे है, जिससे उठते धुएं से आसपास के लोगों को काफी परेशानी होती है और वातावरण भी प्रदूषित हो रहा है।

सड़क हादसे में मारे गए व्यक्ति की नहीं हुई पहचान

नपा ने किया अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

■ भारी वाहन से बाइक को टक्कर मारने पर हुआ हादसा

कनीना-अटेली मार्ग पर पड़तल गांव के समीप बीती 20 मई को घटित सड़क हादसे में मारे गए व्यक्ति की पहचान न होने पर कनीना के उप नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखे व्यक्ति के शव की 72 घटे के बाद भी पहचान न होने पर शव विच्छेदन कर नगरपालिका प्रशासन की ओर से उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस बारे में नांगल मोहनपुर निवासी नरदेव ने कनीना सदर थाना पुलिस में दी शिकायत में बताया था कि वह 20 मई को सायं करीब सात बजे भोजावास पेट्रोल पम्प पर बाइक में तेल डलवाने जा रहा था। पड़तल पहुंचने पर एक अधेड़ आयु के नामालुम व्यक्ति ने उसे हाथ का संकेत कर रूकवा लिया और आगे तक छोड़ने को कहा। नरदेव ने उसे बाइक पर बैठा लिया। कुछ दूर चलने के बाद सामने से तेज गति से आ रहे एक भारी वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे नरदेव बाइक समेत सड़क से दूर जा गिरा, जिसे मामूली चोटें आई और बाइक पर पीछे बैठा नामालुम व्यक्ति सड़क पर जा गिरा, जो भारी वाहन के टायर से कुचला गया। जिसकी मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने नरदेव की शिकायत पर हादसे के आरोपित वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर शव को उप नागरिक अस्पताल कनीना की मोर्चरी में रखवा दिया था। थाना इंचार्ज निरीक्षक रामनाथ ने बताया कि 72 घंटे बाद तक शव की पहचान नहीं होने पर नगरपालिका प्रशासन ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

रेलवे रोड पर कई सरकारी कार्यालय होने के बाद भी छाया रहता है घना अंधेरा

महेंद्रगढ़। वैसे तो शहर की सभी सड़कों में गहरे गड्ढे बने हुए हैं, लेकिन शहर के अति व्यस्त मार्ग रेलवे रोड की हालत और भी खस्ता है। वहीं शाम होने के साथ ही वाहन चालकों की परेशानी ओर बढ़ जाती है, क्योंकि इस मार्ग पर कई सरकारी कार्यालय होने के बावजूद भी अंधेरा छाया रहता है। जिस कारण यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही अंधेरे में सड़क पर बने गहरे गड्ढे के चपेट में आकर वाहन खुद भी घायल हो रहे हैं। इसमें सबसे अधिक दिक्कत बाइक चालकों को हो रही है। बता दें कि शहर की सड़कों पर लगी स्ट्रीट लाइट को मेंटेन करने की जिम्मेदारी नगर पालिका की है, लेकिन इस मार्ग पर एक सप्ताह में करीब दो से तीन बार स्ट्रीट लाइट या तो खराब होती है या फिर रात के समय जलाई नहीं जाती। स्ट्रीट लाइट बंद होने के कारण रात के समय इस मार्ग पर घना अंधेरा छाया रहता है। यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। रात के रेलवे स्टेशन के यात्री इसी मार्ग का इस्तेमाल करते हैं और यहां से आते-जाते हैं। स्ट्रीट लाइट बंद होने से अंधेरा छाया रहता है। ऐसे में यात्रियों के साथ किसी अप्रिय घटना होने का डर बना रहता है।

रेवाड़ी। सत्संग में नीली स्याही दिखाते समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

मतदान के बाद परमहंस कुटी में किया सत्संग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धारूहेड़ा

अंखड़ परम धाम समिति के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को मतदान करने के बाद सेक्टर-6 स्थित परमहंस कुटी में सत्संग का आयोजन किया। हरिद्वार से आए अखंड परमधाम सेवा समिति के संत स्वामी प्रेमानंद गिरी ने भी अपना मत डालकर मंडली के साथ परमहंस कुटी में सत्संग किया। उन्होंने कहा कि अब 500 वर्ष का वनवास बीत गया है, सभी को अयोध्या जाकर श्रीराम लला के दर्शन करने चाहिए। इस अवसर पर समिति से नानक चंद, भोलाराम, मुकेश गोदारा, संतोष मिश्रा, उमेश शर्मा, लक्ष्मण सिंह, जानवी राव, सुकेश, छन्नो देवी व विकास यादव सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

दुकानकार से मारपीट का आरोप, केस दर्ज

■ उसने उसे डंडे से पीटना शुरू कर दिया। वह काफी देर तक उसके साथ मारपीट करता रहा

धारूहेड़ा। मालाहेड़ा के पास कबाड़ी की दुकान चलाने वाले दुकानदार के साथ मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस बयान में रोहताश ने बताया कि उसने नेशनल हाइवे के सर्विस रोड के पास कबाड़ी की दुकान की हुई है। मालाहेड़ा निवासी नवीन उसकी दुकान पर शराब के नशे में आया। उसने उसके साथ गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। मना करने पर उसने उसे डंडे से पीटना शुरू कर दिया। वह काफी देर तक उसके साथ मारपीट करता रहा। उसने पड़ोस में एक फैक्ट्री में घुसकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने उसकी शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

तीन शिफ्टों में 24 घंटे करेंगे स्ट्रांग रूम की मॉनिटरिंग

ड्यूटी मजिस्ट्रेट रात 10 बजे से सुबह 6 बजे, सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तथा दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक 24 घंटे मॉनिटरिंग करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिलाधीश राहुल हुड्डा ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता 1973, 1 की धारा 22 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लोकसभा आम चुनाव के तहत प्रयोग की गई ईवीएम को स्टोर करने व सुरक्षा को लेकर गुरुग्राम संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र बावल के लिए राजकीय महिला महाविद्यालय सेक्टर-18 के भू-तल व विधानसभा रेवाड़ी के लिए राजकीय महिला महाविद्यालय सेक्टर-18 के प्रथम तल तथा रोहतक संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कोसली विधानसभा क्षेत्र के लिए जैन पब्लिक स्कूल में बनाए गए स्ट्रांग रूम की मॉनिटरिंग के लिए 4 जून मतगणना तिथि तक ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं, जो संबंधित एआरओ एवं एसडीएम के नेतृत्व व देखरेख में स्ट्रांग रूम की तीन शिफ्टों में मॉनिटरिंग करेंगे। ड्यूटी मजिस्ट्रेट रात 10 बजे से सुबह 6 बजे, सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तथा दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक 24 घंटे मॉनिटरिंग करेंगे।

स्ट्रांग रूम के लिए यह ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

ईटीओ सेल्स टैक्स रेवाड़ी विकास जाखड़, एक्सईएन जनस्वास्थ्य विभाग रविंद्र गोठवाल तथा एसडीओ बावल प्रवीण चौयाल को रात 10 बजे से सुबह 6 बजे, सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तथा दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक विधानसभा क्षेत्र बावल के स्ट्रांग रूम के लिए, डीएफओ सूर्य प्रकाश, एसडीओ जनस्वास्थ्य विभाग विनोद बागड़ी तथा एसडीओ डीएचबीवीएन कोसली आशीष कुमार को रात 10 बजे से सुबह 6 बजे, सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तथा दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक रोहतक संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कोसली विधानसभा क्षेत्र के स्ट्रांग रूम तथा एसडीओ डीएचबीवीएन पाल्हावास रविंद्र कुमार, डीडीएएच नसीब सिंह व एसडीओ लोक निर्माण विभाग रामनिवास को रात 10 बजे से सुबह 6 बजे, सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तथा दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक विधानसभा रेवाड़ी के स्ट्रांग रूम की मॉनिटरिंग के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। यह सभी ड्यूटी मजिस्ट्रेट एआरओ एवं एसडीएम रेवाड़ी विकास यादव, एआरओ एवं एसडीएम बावल मनोज कुमार व एआरओ एवं एसडीएम कोसली उदय सिंह के नेतृत्व में कार्य करेंगे।

पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

गांव बुडीन में सदर थाना पुलिस टीम ने एक कोटड़े से अवैध शराब पकड़ी है। इस दौरान शराब बेचने आरोपित पुलिस टीम को देखकर मौके से फरार हो गए है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सदर थाना पुलिस की एक टीम गांव खातोद मौजूद थी। टीम को इस दौरान गुप्त सूचना मिली कि गांव बुडीन ठेके के पास बने कोटड़े के पास नवीन ठेकेदार अपने साथी के साथ नाजायज शराब बेच रहा है। अगर रैड कि जाए तो शराब सहित काबू आ सकता है। इसके बाद पुलिस टीम ने गांव बुडीन ठेके के कोटड़े पर पहुंची तो दो व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर अंधेरे का फायदा उठाकर खेतों में भाग गए। पुलिस को मौके पर एक प्लास्टिक कट्टा मिला, जिसको चेक किया तो सात बोतल रसीला संतरा, नौ अद्दा रसीला संतरा व सात पव्वे रसीला संतरा देशी, एक अद्दा अंग्रेजी शराब व एक पव्वा अंग्रेजी शराब मिली।

मुख्य निर्वाचन आयोग ने बढ़ाई सेल्फी अपलोड करने की समय सीमा

आज 10 बजे तक मतदान के बाद की सेल्फी करें अपलोड और जीतें पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

■ प्रथम स्थान पाने वाले विजेता को 10000, द्वितीय स्थान पाने वाले को 5000 और तृतीय स्थान पाने वाले विजेता को 2500 रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा

लोकसभा के 18वें आम चुनाव के तहत 25 मई को ली गई सेल्फी 26 मई को प्रातः 10 बजे से मुख्य निर्वाचन आयोग हरियाणा की ओर से उपलब्ध कराए लिंक पर अपलोड की जा सकती है। मुख्य निवाचन आयोग हरियाणा की ओर से राज्य के विद्यार्थियों के लिए पुरस्कार जीतने के लिए अपलोड सेल्फी प्रतियोगिता आयोजित की गई है, जिसके तहत जो विद्यार्थी अपने माता-पिता, दादा-दादी और सगे संबंधियों को वोट डालने के लिए प्रेरित करेंगे और वोट डालने के बाद नीली स्याही लगी अंगुली के साथ सेल्फी लिंक पर अपलोड करेंगे, उन्हें पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी व डीसी राहुल हुड्डा ने बताया कि जिला स्तर पर प्रथम स्थान पाने वाले विजेता को 10000, द्वितीय स्थान पाने वाले को 5000 और तृतीय स्थान पाने वाले वे विजेता को 2500 रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। जिला स्तर पर सबसे अधिक सेल्फी अपलोड कराने वाले स्कूल को 25000 रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों शनिवार मतदान के दिन ली हुई सेल्फी मुख्य निर्वाचन आयोग हरियाणा की ओर से उपलब्ध कराए लिंक पर 26 मई को सुबह 10 बजे तक अपलोड करने का आह्वान किया है।

बाइक की चपेट में आने से महिला की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

लिसाना बस स्टैंड के पास सड़क पार करते समय बाइक की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी। लिसाना गांव में रहने वाली लुहार परिवार की महिला शांति देवी टैंपो से उतरने के बाद रोड क्रॉस कर रही थी। इसी दौरान बीकानेर की ओर से आ रही बाइक ने उसे टक्कर मार दी। इससे वह सड़क पर गिर गई। बाइक चालक घटना के बाद फरार हो गया। परिजनों ने शांति देवी को घायलावस्था में अस्पताल पहुंचाया, जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया।

सुरक्षा व्यवस्था | जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल हुड्डा ने की सभी मतदान केंद्रों की मॉनिटरिंग

लोकसभा चुनाव में पूरी तरह अलर्ट रहा जिला प्रशासन, मतदान प्रक्रिया पर रही पारखी नजर

■ सीटीएम लोकश व डीडीपीओ नरेंद्र सारवान ने वेबकास्टिंग प्रक्रिया पर नजर बनाए रखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

भारत देश की 18वीं लोकसभा गठन के लिए जिले में शनिवार को लोकसभा आम चुनाव दिनभर निर्विघ्न व शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ। जिला प्रशासन की ओर से लोकसभा आम चुनाव को लेकर लघु सचिवालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया, जिसके माध्यम से पूरी चुनाव प्रक्रिया की प्रभावी रूप से मॉनिटरिंग की गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी राहुल हुड्डा व एसपी शशांक कुमार सावन स्वयं चुनाव से संबंधित हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी। जिला प्रशासन की सभी टीमों ने स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण व पारदर्शी चुनाव सम्पन्न कराने के लिए समर्पित भाव से कार्य करते हुए अपनी ड्यूटी का निर्वहन किया।

जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों रेवाड़ी, बावल व कोसली में मॉक पोल उपरांत मतदान की प्रक्रिया सुबह 7 बजे शुरू हुई और शाम 6 बजे शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई। एआरओ एवं एसडीएम रेवाड़ी विकास यादव, एआरओ एवं एसडीएम बावल मनोज कुमार व एआरओ एवं एसडीएम कोसली उदय सिंह ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में सजगता व सतर्कता से मॉनिटरिंग करते हुए चुनाव प्रक्रिया में लगे अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया। सीटीएम लोकश व डीडीपीओ नरेंद्र सारवान ने वेबकास्टिंग प्रक्रिया पर नजर बनाए रखी।

रेवाड़ी। कंट्रोल रूम में चुनावी गतिविधियों की मॉनिटरिंग करती टीम, पिंक बूथ पर लगी मतदाताओं की कतार तथा मतदान करने पहुंची बुजुर्ग महिला। फोटो : हरिभूमि

चुनाव में वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों में उत्साह

डीसी हुड्डा ने कहा कि जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने में स्वीप कार्यक्रम की अहम भूमिका रही। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में मतदान कराने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जिन्होंने पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ सुचारू रूप से मतदान संपन्न कराने में अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का भली-भांति निर्वहन किया तथा सुरक्षा कर्मियों ने भी सुरक्षा जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया। भीषण गर्मी होने के बावजूद जिले के नागरिकों ने पूरे सहयोग के साथ निर्वाचन व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए उत्साह के साथ मतदान में हिस्सा लेकर मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र में अपनी आस्था व्यक्त की है। नए मतदाताओं ने भी पहले बार मताधिकार का प्रयोग करने में बढ़-चढकर हिस्सा लिया। चुनाव में बुजुर्गों व महिलाओं की भी सक्रिय भागीदारी रही। वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों ने भी उत्साह से मतदान किया।

पिंक बूथ पर महिला कर्मियों की जिम्मेदारी

■ पिंक बूथ को विशेष तौर पर गुलाबी गुब्बारों, गुलाबी रंग से सजाया गया

जिले में लोकसभा आम चुनाव के लिए बनाए गए पिंक बूथ पर महिला कर्मियों की तैनाती की गई। पिंक बूथ की खासियत यह है कि यहां पूरा स्टाफ महिलाओं का है। जिला प्रशासन की ओर से पिंक बूथ को विशेष तौर पर गुलाबी गुब्बारों, गुलाबी रंग व गुलाबी सजावटी सामान से सजाया गया। पिंक बूथ पर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रोत्साहित करने वाले संदेश बोर्ड भी लगाए गए है। पिंक बूथ पर मतदाताओं के लिए सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए थे, जिन पर मतदाताओं ने बढ़-चढकर सेल्फी ली।

एटीएम कार्ड बदलकर खाते से निकाले 43 हजार रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

■ जल्दी पैसे निकालने के लिए कहा तथा इसी बीच उसका एटीएम कार्ड बदल लिया

■ उसने दोबारा पैसे निकालने की कोशिक की तो एटीएम कार्ड ब्लॉक बताने लगा

■ बाद में उसने बैंक में जाकर स्टेटमेंट चैक की तो खाते से 43000 रुपये गायब मिले

एक युवक के साथ एटीएम बूथ पर धोखाधड़ी हो गई। बूथ पर मौजूद अन्य युवक उसका एटीएम कार्ड बदलकर नकदी निकालकर फरार हो गए तथा उसको अन्य एटीएम थमा गए। प्रजापत कॉलोनी निवासी अभिषेक ने सेक्टर-6 थाना धारूहेड़ा पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पिता प्रकाशचंद का पीएमबी बैंक में खाता है जोकि निजी कंपनी में कार्यरत है। 24 मई को उनकी दो महीने की सेलरी आई थी। उसके पिता ने एटीएम अपने बेटे को एटीएम कार्ड देकर 20 हजार रुपये निकलवाने के लिए भेजा था। एटीएम बूथ पर उसने 5-5 हजार रुपये की दो ट्रांजेक्शन की थी। तभी वहां दो लड़के आ गए और पूछने लगे की एटीएम मशीन में पैसे है। इस पर उन्होंने जल्दी पैसे निकालने के लिए कहा तथा इसी बीच उसका एटीएम कार्ड बदल लिया। जब उसने दोबारा पैसे निकालने की कोशिक की तो एटीएम कार्ड ब्लॉक बताने लगा। जब तक दोनों युवक बूथ से जा चुके थे। इसके बाद उसने बैंक में जाकर स्टेटमेंट चैक की तो खाते से 43000 रुपये गायब मिले। पुलिस ने युवकों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है।

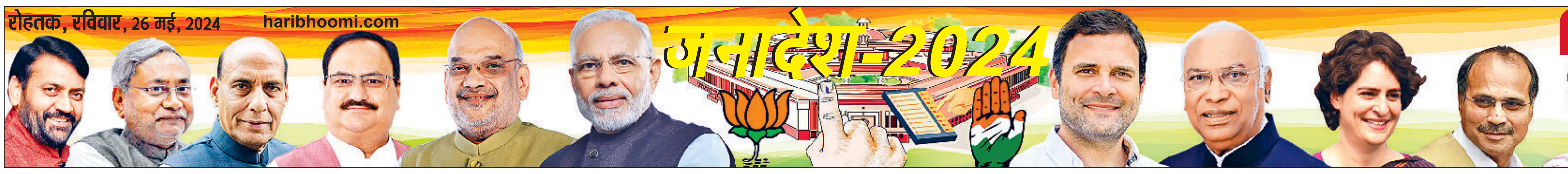

देश में एक मजबूत सरकार बनाने के लिए हर मतदाता ने जोश दिखाते हुए अपना फर्ज निभाया। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक में वोट के लिए जोश दिखा। मतदान के बाद हर वोटर ने यही कहा....

हमने चुन ली सरकार परिणाम का इंतजार

सामूहिक परिवार ने ठठेरा मोहल्ले के बूथ पर डाला वोट।

मॉडल टाउन में व्हील चेयर पर वोट डालने जाते वेदप्रकाश।

वोट डालने पहुंची 95 वर्षीय मोहरली देवी।

सेक्टर-3 के पिंक बूथ पर मतदाताओं की कतार। फोटो:हरिभूमि

मतदान की झलकियां

मतदान केंद्र पर परिवार की सेल्फी लेती महिला।

कोसली में व्हील चेयर पर मतदान करने जाते हुए।

बैत के सहारे वोट डालकर आती बुजुर्ग महिला।

रेवाड़ी। बूथ पर वोटर स्लिप देते बीजेपी कार्यकर्ता।

रेवाड़ी। दूसरी बार वोट डालकर निशान दिखाती प्रियांशी। फोटो:हरिभूमि

मानसिक विकलांग राधा ने अपनी मां शशिकला के साथ कृष्णा नगर के मतदान केंद्र पर पहली बार मतदान किया।

रेवाड़ी। अंत्योदय भवन के बूथ पर मतदाताओं की कतार।

पहली बार वोट डालने के बाद निशान दिखाती योगमाला

प्रवीण कुमार ने पैर से ईवीएम का बटन दबाकर अपने मत का प्रयोग किया।

पहली बार मतदान करने पर युवाओं में उत्साह

रेवाड़ी। शनिवार को हुए लोकसभा चुनाव में पहली बार वोट डालने वाले युवाओं में काफी उत्साह नजर आया। युवा वोटर्स उमस भरी गर्मी में अपेन-अपने मतदान केंदों पर वोट डालने के लिए पहुंचे तथा अंगुली पर लगी स्याही के साथ पोर्टल पर अपनी सेल्फी अपलोड की। लोकसभा चुनाव में इस बार वोट डालने के बाद परिवार के साथ अंगुली पर लगी नीली स्याही के साथ सेल्फी पोर्टल पर अपलोड करने पर इनाम भी दिया जाएगा। जिला स्तर पर ड्रॉ के माध्यम से प्रथम विजेता को 10 हजार रुपए, द्वितीय को 5 हजार रुपए व तृतीय विजेता को 2500 सौ रुपए का नकद इनाम दिया जाएगा। इसके अलावा जिले के जिस स्कूल के विद्यार्थी सबसे अधिक सेल्फी अपलोड करेंगे, उस स्कूल को 25 हजार रुपए का विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। जिले में इस बार 15707 युवाओं को पहली बार अपने मत का प्रयोग करना था। इस बार रेवाड़ी विधानसभा में 4586 युवा वोटर, बावल विधान सभा में 4914 तथा कोसली विधान सभा में 6207 नए युवा वोटर थे।

निशांत खत्री ने गांव अलावलपुर में अपने जन्मदिन पर पहली बार मतदान किया।

गांव अलावलपुर युवा राहुल ने भी पहली बार अपने मताधिकार का उपयोग किया।

रेवाड़ी। वोट डालने के बाद राव इन्द्रजीत सिंह।

अपनी भाभी के साथ स्याही का निशान दिखाती प्रियंका।

रेवाड़ी। बूथ पर मतदाताओं को वोटर स्लिप देते कर्मचारी।

रेवाड़ी। वोट डालने के बाद राव इन्द्रजीत सिंह।

वोट डालने के बाद एडवोकेट रविन्द्र गुर्जर

रेवाड़ी। वोट डालती विकलांग महिला।

नाहड़ के बूथ पर सुरक्षा का जायजा लेते डीएसपी जय सिंह।

रेवाड़ी। कोसली के एक बूथ पर मतदाताओं की कतार। फोटो:हरिभूमि

रेवाड़ी। नाहड़ के बूथ पर वोट डालने के बाद परिवार।

रेवाड़ी। कोसली के एक बूथ पर मतदाताओं की कतार। फोटो:हरिभूमि

पिंक बूथ पर चलता रहा सेल्फी का दौर

रेवाड़ी। करनावास रावमावि लेफ्ट विंग तथा रेवाड़ी के सेक्टर-3 में पिंक बूथ, रेवाड़ी स्थित अंत्योदय भवन सेक्टर-1 में आदर्श पोलिंग बूथ, गुजरीवास राप्रावि, गुड़ियानी राकउवि लेफ्ट विंग तथा डूंगरवास अनुसूचित जाति चौपाल को पीडब्ल्यूडी ऑपरेटिड पोलिंग बूथ तथा बावल रावमावि लेफ्ट विंग, नाहड़ रावमावि नाहड़ नॉर्थ विंग तथा राकवमावि सेक्टर-4 रेवाड़ी लेफ्ट विंग को यूथ ऑपरेटिड पोलिंग बूथ बनाया गया है। पिंकी बूथ पर केवल महिला पोलिंग स्टाफ नियुक्त रहा। पिंक पोलिंग बूथ पर सेल्फी स्टैंड भी लगाया गया, जिस पर वोट डालने के बाद मतदाताओं की ओर से परिवार के साथ सेल्फी लेने का दौर चलता रहा। बूथ पर पब्लिक हेल्थ के चीफ इंजीनियर राकेश कुमार ने चंडीगढ़ से आकर अपने परिवार के साथ वोट डाला। इसके अलावा गुरुग्राम से प्रदीप शर्मा ने अपने परिवार के साथ पिंक बूथ पर मतदान का प्रयोग किया।

रेवाड़ी। वोट डालने के बाद परिवार के साथ सेल्फी लेते चीफ इंजीनियर।

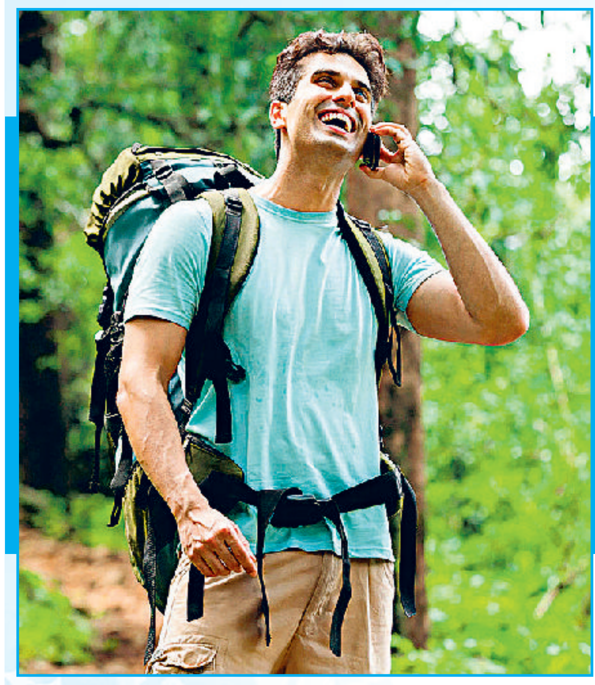

आज के दौर में करियर को नई उड़ान देने के सपने लिए बड़ी संख्या में सिंगल यंगस्टर्स अपने घरों से दूर शहरों, मेट्रो सिटीज में रह रहे हैं। इनकी लाइफस्टाइल ऊपरी तौर पर देखने में कूल और बिंदास लगती है, लेकिन वास्तव में आज के युवा अपनी मैच्योर सोच और प्रैक्टिकल अप्रोच के जरिए जीवन को शानदार तरीके से जी रहे हैं।

कूल-बिंदास-शानदार सिंगल यंगस्टर्स की जिंदगी

{ कवर स्टोरी / शैलेंद्र सिंह }

वे हमेशा उत्साह से भरे होते हैं। चाहे क्लब में हों या कैफे में। वे टेनिस, बैडमिंटन या मनचाहा कोई और गेम खेलते हैं। पार्टियों में मस्ती करते हैं। उनकी शर्ट-पैंट पर कड़क क्रीज दिखती है और शूज में हमेशा चमकती हुई क्रीम पॉलिश। वे अधिकतर हंसते, मुस्कुराते और चहकते रहते हैं। जी, हां! ये युवाओं की दुनिया है। लेकिन आप सोच रहे होंगे कि ये किन घरों के युवा हैं, जहां इन्हें मौज-मस्ती करने का इतना टाइम मिलता है, क्या इन्हें ऑफिस नहीं जाना होता? जी नहीं, जनाब आपका अनुमान गलत है। ये काम-काजी युवा ही हैं, लेकिन सिंगल हैं। हैरान न होइए, सिंगल होना हमेशा परेशानियों से ऊबे रहना ही नहीं है। सिंगल रहना खुशियों से भरा होना भी हो सकता है।

पिछली पीढ़ी के युवाओं से अलग

आज के इन युवाओं ने, पुरानी पीढ़ियों से सुने उन युवाओं को टाटा, बाय-बाय कह दिया है, जो जब तक अकेले रहते थे, घर या हॉस्टल का कमरा ऐसा दिखता था, जहां हर चीज बेतरतीब पड़ी होती थी। अखबार, फर्नीचर या फर्श को झाड़ें तो धूल की परत जमी होती थी। जहां अव्वल न तो खाने-पीने के बर्तन होते थे और न ही रसोई में तुरंत कुछ बना लेने की सुविधा। पिछली सदी के अंतिम के दशकों में उनके लिए कुछ ऐसे संबोधन हुआ करते थे, जैसे-'ये एक नंबर के लापरवाह, आलसी और बेतरतीब हैं।'

स्टाइल को लेकर रहते हैं कॉन्शस

आज हम जिन युवाओं की बात कर रहे हैं, उनकी दुनिया पूरी तरह से बदल चुकी है। ये बिंदास जीने वाले सिंगल युवा हैं। इन्हें अपना घर खुद ही मैनेज करना होता है, दफ्तर भी और करियर ऑप्शंस भी, फिर भी इनमें थकान ढूंढ़े नहीं मिलती है। आज अकेले रहने वाले तमाम युवा पूरी तरह से व्यवस्थित रहते हैं। ये परफ्यूम लगाए बिना दफ्तर नहीं जाते। इनके चेहरे पर आप दो दिन की पुरानी शेव नहीं देख सकते। ये अपने बालों के लिए बाजार में जितने भी मुफीद उत्पाद हैं, उन सबके बारे में अच्छी तरह से जानते हैं। आज के युवा अपने लुक और स्टाइल को लेकर हर समय सजग रहते हैं। घर से बाहर अपने बॉडी लैंग्वेज को लेकर कॉन्शस रहते हैं, इनमें अपना एक स्टाइल होता है ताकि कहीं से यह न लगे कि उनमें चलने-बोलने, उठने-बैठने या खाने-पीने की तमीज नहीं है। व्यवस्थित रहना, सजग रहना, स्मार्ट दिखना और स्टाइल की छाप छोड़ना, आज के यंगस्टर्स की खास खूबी बन चुकी है।

जीते हैं मैनेज्ड-कंफर्टेबल लाइफ

युवाओं की जितनी व्यवस्थित जिंदगी परिवार के साथ होती है, लगभग उतनी ही व्यवस्थित जिंदगी वह अकेले में भी बिताते हैं। इसका अंदाजा उनके अकेले के समृद्ध रहन-सहन से भी लगाया जा सकता है। आज का तेजी से कमाने वाला युवा सिर्फ अच्छी ड्रेसेस भर नहीं पहनता, न ही वह पार्टियों में जाने के लिए उत्सुक रहता है। सच्चाई तो यह है कि वह अपने घर में भी पूरे सुख-सुविधाओं के साथ रहता है। बेंग्लुरु में अकेले रहने वाले 70 फीसदी से ज्यादा युवा अपना किराए का फ्लैट लेकर रहते हैं, जिसमें वह या तो अकेले या अपने किसी एक दोस्त के साथ शेयर कर रहे होते हैं। इनके फ्लैटों में वो तमाम सुख-सुविधाएं मौजूद होती हैं, जो एक जमाने में एक दशक का दांपत्य जीवन गुजार चुके जोड़ों के यहां होता था। मसलन टीवी, रेफ्रिजरेटर, शानदार किचेन और किचेन में तमाम तरह के इस्तेमाल होने वाले उपकरण। खाने-पीने में भी आज के युवाओं की रुचियां विस्तृत हैं।

रिलेशन-प्रोफेशन में प्रैक्टिकल सोच

आज 81 फीसदी युवक और 76 फीसदी युवतियां, किसी से यह कहने में जरा भी नहीं हिचकते कि उन्हें वह अच्छा लगता है या अच्छी लगती है, जबकि पिछली सदी के 80 और 90 के दशक में ऐसी हिम्मत जुटा पाना बहुत कम युवाओं के ही बस में होता था। आज बड़ी तादाद में ऐसे युवा एक साथ दो पार्टनर के साथ डेटिंग कर रहे होते हैं और बिना किसी अपराधबोध में आए बड़ी सहजता से दो शख्सियतों के बीच जरूरी तुलना कर रहे होते हैं। फिर सोच-समझकर वह किसी एक के साथ बिना किसी संकोच के रिलेशन बनाए रखने का डिसीजन करते हैं। यही नहीं जिसके साथ रिलेशन बनाए रखने में इन्हें जरा भी अनकंफर्ट फील होता है, उससे ब्रेकअप करने में देर भी नहीं करते हैं।

आज के युवाओं की बातचीत में एक ठहराव और मैच्योरिटी दिखती है। साथ ही उनमें तमाम व्यावहारिक बदलावों ने अपनी जगह बनाई है, जैसे-आज के युवा 61 फीसदी से ज्यादा मौकों पर किसी से मिलने के लिए उसके वर्कप्लेस पर ही जाना पसंद करते हैं ताकि छुट्टी होने के बाद के समय को काम-काज संबंधी रूटीन मीटिंग्स में न वेस्ट किया जाए। व्हाइट कॉलर जॉब बढ़ने के कारण युवाओं में एक विशेष किस्म का आत्मविश्वास बढ़ा है। आज व्हाइट कॉलर जॉब करने वाले लगभग 90 फीसदी से ज्यादा युवाओं के पास अपना लैपटॉप होता है, जिससे वे न सिर्फ अपने विस्तृत संपर्कों की दुनिया से लगातार जुड़े रहते हैं बल्कि मनोरंजन और अपनी दूसरी भावनात्मक जरूरतों को भी इसके जरिए पूरा करते हैं।

टेक्नो-ट्रेडिशन का कॉम्बिनेशन

आज का युवा कुछ दशक पहले के युवाओं से भिन्न जहां भी जाता है, अपने घर-परिवार के वैल्यूज और ट्रेडिशंस को नहीं भूलता है। आज का युवा एक तरफ जहां इंटरनेट के जरिए पूरी दुनिया से जुड़ा है, साइबर नेटवर्किंग के चलते जहां उसकी सोच, समझ और परिचय के दायरे में पूरी दुनिया आ गई है, वहीं उसमें अपनी जड़ों को जानने और परंपराओं को समझने की भी ललक बढ़ी है। यही वजह है कि आज का युवा पहले के मुकाबले घर से दूर रहने पर भी न तो विद्रोही बनता है और न घर-परिवार को भूल जाता है। सच, युवाओं के अकेले की दुनिया कभी भी इतनी शानदार नहीं थी। *

नहीं चूकते एंज्वॉयमेंट का चांस

आज के युवाओं की दुनिया, इनके काम-काज के ढंग, इनकी लाइफस्टाइल में तड़क-भड़क ने किस तरह से इंट्री की है, इसका अंदाजा जीवनशैली उजागर करने वाले कुछ सर्वेक्षणों को देखकर लगाया जा सकता है। दिल्ली और मुंबई में हुए एक सर्वे के मुताबिक इन शहरों के 77 फीसदी से ज्यादा युवा अकेले रहने को अभिशाप नहीं मानते। अकेले रहने पर भी ये अपने दोस्तों के साथ पार्टियां मिस नहीं करते। वीकेंड पर अपने कुलीग्स या फ्रेंड्स के साथ डिनर या हैंगआउट करने का मौका कभी नहीं छोड़ते। यानी आज के युवा एंज्वॉयमेंट का कोई भी चांस नहीं चूकते हैं।

तेजी से बदलती दुनिया में बदलता पीढ़ियों का नजरिया

यह सही है कि हर पीढ़ी का दुनिया देखने का अलग नजरिया होता है। इसकी वजह है, पीढ़ी के साथ दुनिया भी बदल जाती है। लेकिन आज के दौर में रहने वाली कुछ पीढ़ियां जिन अभूतपूर्व बदलावों की साक्षी रही हैं, वो अपने आप में अचरजकारी है।

{ बदलाव / लोकमित्र गौतम }

हर इंसान की यह फितरत होती है कि वह अपने दौर को किसी दूसरे दौर से अलग और बेहतर साबित करने की फिराक में रहता है। जो लोग वाई जनरेशन, जेड जनरेशन, मोबाइल जनरेशन और डिजिटल जनरेशन जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करते, वो लोग भी आपको बातचीत में यह कहते मिल जाएंगे कि मौजूदा जनरेशन से हमारी जनरेशन ज्यादा समझदार, ज्यादा मेहनती और कम संसाधनों पर बड़ी-बड़ी कामयाबियां पाने वाली रही है। लब्बोलुआब यह कि इंसान बड़ी खूबसूरती से अपने आगे और पीछे की पीढ़ियों को अपने से तुलना करने के लिए कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेता है और बिना शक कोई भी पीढ़ी यह मानने को तैयार नहीं होती कि वह अपनी पिछली पीढ़ियों या अगली पीढ़ियों से कम समझदार, कम मेहनती या कम संघर्ष झेलने वाली पीढ़ी है। हर पीढ़ी खुद को ही सबसे ज्यादा आधुनिक विचारों से भरपूर भी मानती है।

पीढ़ियों के नजरिए पर हुए अध्ययन: दशकों से अमेरिका का प्यू रिसर्च सेंटर विभिन्न किस्म के सामाजिक पहलुओं की परख अपने सर्वेक्षणों के जरिए करता रहा है और अब यह संस्थान अलग-अलग जनसांख्यिकीय समूहों को अलग-अलग उपभोग के नजरियों के आधार पर वर्गीकरण करता है। अपने इस वर्गीकरण को दस्तावेज की शक्ल प्रदान करके हर पीढ़ी को दूसरी पीढ़ी से अलग जानने, समझने का नजरिया प्रदान करता है। वास्तव में अलग-अलग पीढ़ियां दुनिया को उसके समय और परिवेश में चिन्हित करने के लिए, उनके जीवन जीने के ढंग, मान्यताओं, आपस में व्यवहार करने के तौर-तरीकों और भविष्य के प्रति साझे या बहुसंख्यक विचारों के जरिए पहचानते हैं। लगभग हर पीढ़ी का यह विश्लेषणात्मक नजरिया होता है कि दुनिया के आगे बढ़ने के क्रम में उनका दौर सबसे व्यावहारिक नजरिया रखता है। इसलिए प्यू रिसर्च सेंटर के अध्यक्ष माइकल डिमोक कहते हैं कि हर पीढ़ीगत समूह, शोधकर्ताओं को अपने समय के साथ अपने विचारों में होने वाले परिवर्तनों के जरिए भिन्नता स्थापित करने का आधार प्रदान करते हैं।

सर्वाधिक बदलावों की साक्षी वाई जनरेशन: प्यू रिसर्च सेंटर पिछले एक दशक से भी अधिक समय से मिलेनियल जनरेशन (जिसे वाई जनरेशन भी कहते हैं) का अध्ययन कर रहा था और साल 2018 तक आते-आते उसे यह स्पष्ट भान हो गया कि यह वह जगह है, जहां अगली (जेड जनरेशन) पीढ़ी और मिलेनियल पीढ़ी के बीच कट ऑफ प्वाइंट निर्धारित होता है। कहने का मतलब यह कि सन 80 से चिन्हित हो रही यह जनरेशन साल 2018 में 38 वर्ष की हो गई और इस तरह इस पीढ़ी के सबसे बुजुर्ग सदस्य मिलेनियल वयस्कता में प्रवेश कर चुके हैं। आज जो जेड जनरेशन यानी इक्कीसवीं सदी में जन्मी पीढ़ी, इसे अपनी पूर्वज पीढ़ी मान रही है, उसके सामने यह मिलेनियल जनरेशन ऐसी पीढ़ी है, जो अपने आपमें एक नहीं दो पीढ़ियों के स्वभाव को समेटे हुए है। मिलेनियल जनरेशन अब तक के इतिहास की पहली वह पीढ़ी है, जिसके पास सबसे ज्यादा विचार, विविधता और अनुभव हैं। यह पीढ़ी ऐसी पीढ़ी है, जिसके पास चमत्कारिक डिजिटल टेक्नोलॉजी के अनुभव हैं, तो विस्तृत रूप से व्यावहारिक उपभोक्तावादी पीढ़ी की प्रतिनिधि पीढ़ी भी यही है। दुनिया की यह पहली ऐसी पीढ़ी है, जिसने शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से उर्वर रहते हुए एक दौर से दूसरे दौर में प्रवेश किया है, और दोनों की ही अलग-अलग खूबियों से न केवल अच्छी तरह से परिचित है बल्कि इन दोनों की जबर्दस्त जानकार भी है। यह मिलेनियल पीढ़ी ही है, जिसने पहली बार भूमंडलीकरण को हावी होते देखा। यही वह पीढ़ी है, जिसने पहली बार समय, दूरी और स्पेस को एक-दूसरे में गड्डमड्ड होते देखा। यह मिलेनियल्स पीढ़ी बेहद बेचैन और अथाह किस्म के उमड़-घुमड़ रहे विचारों में हमेशा डूबती-उतरती रहती है। मिलेनियल जनरेशन अब तक की सबसे फ्यूजन जनरेशन है, जिसे अपने से पुरानी पीढ़ी के साथ ही जेड जनरेशन के विचारों, धारणाओं और कल्पनाओं से भी टकराना पड़ा है। साथ ही मजबूत रिश्ता भी बनाकर रखना पड़ा है।

तकनीक के संग पली-बढ़ी जेड जनरेशन: एक जमाना था, जब हवाई जहाज दूरियों को कम करने वाली सबसे बड़ी तकनीक थी। लेकिन 21वीं सदी में इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने एक ऐसी पलक झपकती 'क्लिक डिस्टेंस' की अवधारणा प्रस्तुत की है कि आदमी पलक झपकाकर एक झटके में एक दौर से दूसरे दौर में पहुंच जाता है। ऐसे में तकनीक की उच्चतम प्रगति के साथ पली-बढ़ी जेड जनरेशन का नजरिया वाई जनरेशन से भी अलग होना स्वाभाविक है। यह भी देखा जा रहा है कि जेड जनरेशन, अब तक के इंसानी विकास और सभ्यता को डिजिटल में तब्दील करके अर्थहीन और मशीनीकृत कर रही है।

परिवर्तन से भरी पीढ़ियों का दौर: वैसे यह मानव इतिहास का पहला ऐसा दौर है, जब एक साथ एक नहीं, कई पीढ़ियां रह रही हैं, जो एक ही दौर में अपने-अपने तरीकों और विचारों से दुनिया को देख रही हैं। फिर भी अलग-अलग पीढ़ियों के चश्मे से दुनिया को देखना न केवल हैरतअंगेज ढंग से मनोरंजक है बल्कि इंसानी सोच की खूबसूरत विविधता का गुलदस्ता भी है। *

{ कविता / देवांशु }

बर्फ का गोला

चिलचिलाती धूप में
रेलवे स्टेशन के बाहर
पेड़ के नीचे
बेचता है जकलाराम
ठेले पर बर्फ का गोला
जब आती है टरेन स्टेशन पर
लगाता है ऊंची आवाज
लोग चले आते हैं
उसके ठेले के पास
वह घिसता है बर्फ
लकड़ी के औजार पर
पसीने से भीगता है
उसका बनियान
भरता है वह कांच के गिलास में
बर्फ और डालता है मीठा रंग
लाल, पीला, हरा
बर्फ की खुरचन पर
फिर लकड़ी की काठी में सहेज कर
देता वह प्यार से लोगों को।
इस भीषण गर्मी में
मीठे बर्फ का गोला
देता है थोड़ी सी राहत
सिर्फ पांच रुपए में
और जकलाराम को दो वक्त की रोटी।

{ लघुकथाएं }

अपशकुनी

सब्जी मंडी में अधिकांश सब्जी वालों ने अपनी दुकानें सब्जी मंडी के बाहर सड़क पर लगा रखी थीं। इन दुकानदारों से दूर हटकर एक महिला सब्जी की दुकान लगाकर बैठी थी। उसके पास कोई ग्राहक सब्जी खरीदने नहीं जा रहा था। दीनानाथ जी सब्जी मंडी की सभी दुकानों को पार कर उस महिला के पास सब्जी खरीदने पहुंचे। महिला ने दो-तीन तरह की सब्जी तोल कर उनकी थैली में डाल दीं, ऊपर से कुछ धनिया भी डाल दी। दीनानाथ जी उसके कहे अनुसार पैसे देकर जैसे ही चलने को हुए तो महिला ने उन्हें रोका, वह अपनी जगह से नीचे उतर कर आई, भरी आंखों से उसने दीनानाथ जी के चरण छू लिए। वह कुछ समझ नहीं पाए, हकबका कर बोले, 'अरे! पैर क्यों छू रही हैं...?'

'कुछ नहीं साहब, सुबह से बैठी हूं। दोपहर होने को है, कोई सब्जी खरीदने नहीं आया, आप पहले ग्राहक हैं। आपने मोल-भाव भी नहीं किया। तोल के बारे में भी कुछ नहीं कहा, सब्जी खरीद ली पैसे भी पूरे दे दिए।' महिला बहुत भावुक होकर बोली। 'तो क्या हुआ, लेकिन तुम अकेली ही ऐसी दुकानदार हो, जो सब्जी मंडी में सबके साथ नहीं बैठकर अलग बैठी हो। अगर सभी सब्जी वालों के बीच बैठतीं तो ग्राहक की पहुंच आसान होती।' दीनानाथ जी बोले। 'नहीं साहब, ये लोग अपने साथ बैठने नहीं देते। मेरे पति की लंबी बीमारी से मृत्यु होने के बाद मेरा लड़का सब्जी बेचता था। जिंदगी से परेशान होकर उसने भी एक दिन फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जैसे-तैसे दोनों की मृत्यु के दुख से निकली और खर्चा चलाने के लिए सब्जी की दुकान संभाली तो इन सब सब्जी वालों ने मुझे अपशकुनी कह वहां अपने साथ बैठने नहीं दिया। इसलिए यहां अलग बैठना पड़ता है। शाम तक कुछ औरतें सब्जी खरीदने यहां तक आ जाती हैं, उससे अपना काम निकल जाता है।' दीनानाथ जी को यह सुनकर बहुत दुःख हुआ। वह अंधविश्वासी सब्जी बेचने वालों को समझा कर कोई बखेड़ा खड़ा करना नहीं चाहते थे। दीनानाथ जी उस महिला से बोले, 'हिम्मत रखो, धीरे-धीरे सब ठीक हो जाएगा।' दूसरे दिन दीनानाथ ने उस महिला के सब्जी के मुनासिब दाम लेने और ईमानदारी से तोल करने की प्रशंसा कर अपने सभी साथियों, पड़ोसियों से उसके यहां से सब्जी खरीदने के लिए प्रेरित किया। देखते-देखते उस सब्जी बेचने वाली महिला की दुकान अच्छी चलने लगी। अन्य दुकानदार, जो उसे अपशकुनी कह उसे अपमानित करते थे, अब उसको सम्मान देने लगे। *

-भगवती प्रसाद गेहलोत

दिहाड़ी

रोजाना की तरह पुरानी चुंगी पर मजदूरों की भीड़ जमा थी। एक साहब दो-चार मजदूरों को दिहाड़ी पर लेने आए थे। उन्होंने भीड़ देखकर अपनी गाड़ी साइड में लगा ली। गाड़ी के पास कुछ मजदूर आकर बोलने लगे, 'बाबूजी... हमें ले चलिए.. बाबूजी... हमें ले चलिए...!' लेकिन साहब थे कि किसी की कुछ सुन ही नहीं रहे थे।

बगल वाली सीट पर बैठी साहब की पत्नी ने पूछा, 'इतने मजदूर हैं, इनमें से ले क्यों नहीं चलते, काम में देरी हो रही है।'

'आधे घंटे और रुक जाओ फिर ले चलेंगे, तीन की दिहाड़ी पर चार मजदूर मिल जाएंगे...।' साहब हल्की-सी मुस्कान मारते हुए बोले।

'तीन की दिहाड़ी में...चार...! मैं कुछ समझी नहीं?' पत्नी ने पूछा।

साहब पहले 'ही-ही' करके हंसे फिर बोले, 'आधे घंटे में जिनको काम मिलना होगा मिल जाएगा, इसके बाद बाकी के मजदूर निराश होकर घर लौटने की तैयारी में लग जाएंगे, तब मैं चार सौ रुपए की दिहाड़ी लेने वाले मजदूरों को तीन-तीन सौ में ले जाऊंगा। बेचारों के लिए घर लौटने से तो अच्छा है, तीन सौ रुपए की कमाई हो जाए।'

उसी समय साहब का मोबाइल फोन बज उठा, 'सुमेश जी... आप अगले महीने से कंपनी में मत आइएगा। मालिक ने कहा है कि आप जितनी सैलरी अकेले ले रहे हैं, उतनी ही सैलरी में तीन इंजीनियर आने को तैयार हैं, वे सभी आपसे ज्यादा पढ़े-लिखे हैं, अनुभवी हैं...।' साहब कुछ बोलते उससे पहले फोन कट गया। *

-गोविंद भारद्वाज

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

दक्खिन टोला की कविताएं

करीब बाइस वर्षों बाद दोबारा छपकर आए अंशु मालवीय के चर्चित कविता संग्रह 'दक्खिन टोला' की कविताओं को पढ़ना, भावनाओं और संवेदनाओं से भरी गलियों में फिर से गुजरने जैसा है। इतना समय गुजरने के बाद भी ये कविताएं कहीं से भी अप्रासंगिक नहीं लगतीं। 'तुलसी चीखे/एक मर्मांतक चीख/जैसे पेड़ चीखते हैं/लकड़ियों से सलीब बनता देखकर।'(चीख) जैसी पंक्तियां किसी भी संवेदनशील पाठक को विचलित कर सकती हैं। तो वहीं 'हमें अपनी उम्मीदों के लिए/बहुत सारी उम्मीदों के खिलाफ लड़ना होगा।' (उम्मीदों के खिलाफ) जैसी कविता, एक बेहतर दुनिया के निर्माण का आह्वान करती भी मिलती है। *

पुस्तक: दक्खिन टोला (कविता संग्रह), **लेखक:** अंशु मालवीय, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

हरिभूमि रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार, 26 मई 2024

गौरवशाली अतीत को संजोए
चित्तौड़गढ़

कम ही पर्यटन स्थल ऐसे होते हैं, जहां इतिहास, कला, संस्कृति से रूबरू होने के साथ वन्यजीवन और आध्यात्मिक शांति का भी अनुभव मिल सके। चित्तौड़गढ़ में आपको इन सभी का अनुभव मिल सकता है। यहां की विशेषताओं और प्रमुख स्थलों पर एक नजर।

{ पर्यटन स्थल / देवेंद्रराज सुथार }

समृद्ध इतिहास और संस्कृति की भूमि भारत, वीरता, शौर्य और पराक्रम की अनगिनत कहानियों से भरी पड़ी है। ऐसी ही एक कहानी है राजस्थान में स्थित चित्तौड़गढ़ की। अपने शानदार किलों और उससे जुड़ी गाथाओं को संजोए चित्तौड़गढ़, खासतौर पर इतिहास प्रेमी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। हालांकि यहां देखने और अनुभव करने के लिए और भी बहुत कुछ है।

चित्तौड़गढ़ का किला

चित्तौड़गढ़ एक समय में मेवाड़ राजवंश की राजधानी और राजपूत गौरव-वीरता का प्रतीक था। यह शहर अपने उस किले के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है, जो भारत का सबसे बड़ा किला और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में शामिल है। 700 एकड़ क्षेत्र में फैला चित्तौड़गढ़ किला एक पहाड़ी पर गर्व से सीना ताने खड़ा है। इसे मौर्य सम्राट चित्रांगद मौर्य (चित्राग) ने बनवाया था। इस किले में बहुत कुछ ऐसा है, जो आप कभी नहीं भुला पाएंगे।

राणा कुंभा महल के अवशेष

गौमुख जलकुंड : किले के भीतर पवित्र गौमुख जल कुंड स्थित है, जिसे गंगा नदी का स्रोत माना जाता है। इस कुंड का नाम इसके आकार के कारण पड़ा है। दरअसल, यह गाय के मुख (गौमुख) जैसा दिखता है। यह एक शांत जगह है, जहां पर्यटक आराम कर सकते हैं और आध्यात्मिक वातावरण को महसूस कर सकते हैं।

राणा कुंभा का महल : किले परिसर के भीतर पर्यटक राणा कुंभा महल के खंडहरों को भी देख सकते हैं। समय की मार के बावजूद यह महल अभी भी अपने विशाल आंगनों, अलंकृत बालकनियों और जटिल नक्काशीदार स्तंभों के साथ अपने पूर्व गौरव को बरकरार रखे हुए है। ऐसा कहा जाता है कि यह महल कभी महान महाराणा प्रताप का जन्मस्थान था, जो मुगल शासन के खिलाफ प्रतिरोध का पर्याय थे।

पद्मिनी महल-दर्पण कक्ष : राणा कुंभा महल के निकट पद्मिनी महल स्थित है। किंवदंती के अनुसार यहीं पर खूबसूरत रानी पद्मिनी रहती थीं। कहा जाता है कि उनकी सुंदरता के कारण राजपूताना और दिल्ली सल्तनत के बीच युद्ध छिड़ गया था। जल निकायों और हरे-भरे बगीचों से घिरा महल शांति और रोमानियत का अहसास कराता है। महल में एक दर्पण कक्ष है, जिसके बारे में कहा जाता है कि रानी पद्मिनी यहीं बैठकर साज-शृंगार करती थीं।

विजय स्तंभ : किले के स्थापत्य चमत्कारों में विशाल विजय स्तंभ भी प्रमुख है। यह स्तंभ 122 फीट ऊंचा और 9 मंजिला है। इस पर चढ़ने के लिए 157 सीढ़ियां बनाई गई हैं। दूर से देखने पर इसकी आकृति भगवान शिव के डमरू के समान प्रतीत होती है। इसका निर्माण 1448 ई. में महाराणा कुंभा ने महमूद खिलजी पर अपनी जीत के प्रतीक के तौर पर करवाया था। यह भारतीय स्थापत्य कला की उत्कृष्ट कारीगरी का अनोखा नमूना है, जो नीचे से चौड़ा, बीच में संकरा और फिर ऊपर से डमरू के आकार में चौड़ा बना है। इसके आंतरिक-बाह्य भागों पर अत्यंत कुशल वास्तुकारों द्वारा हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां उकेरी गई हैं।

कीर्ति स्तंभ : विजय स्तंभ के निकट कीर्ति स्तंभ स्थित है, जो 12वीं शताब्दी की जैन वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह स्तंभ जटिल नक्काशीदार मूर्तियों और शिलालेखों से सुशोभित है, जो जैन पौराणिक कथाओं और दर्शन को दर्शाता है। इसकी ऊंचाई लगभग 24.50 मीटर है। यह एक चबूतरे पर निर्मित है और इसमें आंतरिक रूप से व्यवस्थित सीढ़ियां बनाई गई हैं।

मीरा मंदिर

अन्य दर्शनीय मंदिर

चितौड़गढ़ में पहाड़ी के ऊपर एक प्राचीन हिंदू मंदिर स्थित है, जो देवी काली को समर्पित है। माना जाता है कि यह कई शताब्दियों पहले निर्मित है। पर्यटक और श्रद्धालु बड़ी संख्या में यहां आते हैं। यहां देखने लायक एक और पवित्र स्थल मीरा मंदिर है, जो प्रसिद्ध कवि-संत मीरा बाई को समर्पित है। रंगीन भित्तिचित्रों और उनके जीवन के दृश्यों को दर्शाने वाली मूर्तियों से सुसज्जित यह मंदिर आध्यात्मिक ज्ञान और आंतरिक शांति चाहने वालों के लिए विशेष महत्व रखता है।

कह सकते हैं, इस ऐतिहासिक शहर के हर कोने में व्याप्त सुंदरता और भव्यता को देखकर कोई भी आश्चर्यचकित हुए बिना नहीं रह सकता। चाहे इतिहास प्रेमी हों, प्रकृति प्रेमी हों या आध्यात्मिक साधक, चित्तौड़गढ़ में हर किसी के लिए कुछ न कुछ है। इसीलिए यहां सभी पर्यटक आते हैं। *

दर्शनीय है बस्सी वन्यजीव अभयारण्य

चितौड़गढ़ आने वाले पर्यटक अरावली पर्वतमाला के बीच स्थित बस्सी वन्यजीव अभयारण्य में प्राकृतिक सुंदरता और वन्य जीवन की झलक भी पा सकते हैं। यह अभयारण्य सियार, लकड़बग्घा, तेंदुए, जंगली बिल्लियों, जंगली सूअर, साही, लंगूर, चार सींग वाले मृग जैसे जानवरों का निवासस्थल है। पक्षी प्रेमी मोर, कबूतर, मोरनी, सारस, क्रेन जैसे कई पक्षियों को भी यहां देख सकते हैं।

गोस्वामी तुलसीदास रचित महाकाव्य 'रामचरितमानस' भारतीय जन-मानस में रचा-बसा है। हाल ही में इस ग्रंथ को यूनेस्को की 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड-एशिया पैसिफिक रीजनल रजिस्टर' में शामिल किया गया है।

यूनेस्को की मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड में शामिल की गई रामचरितमानस

{ गर्वोपलब्धि / लोकमित्र गौतम }

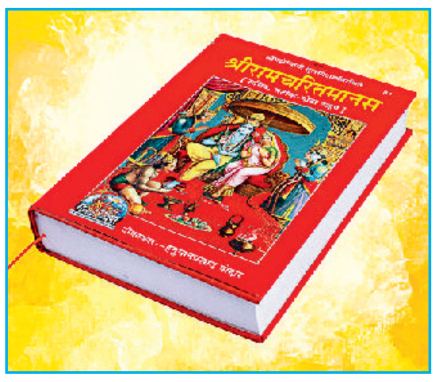

इस दुनिया में सर्वाधिक आदर पाने वाले ग्रंथों में से एक 'रामचरितमानस' की शान में एक और सितारा जुड़ गया है। यूनेस्को की एशिया-प्रशांत क्षेत्र की विश्व समिति ने अपनी दसवीं बैठक में 'रामचरितमानस', 'पंचतंत्र' और 'सहृदय लोक-लोकन' जैसी तीन रचनाओं को यूनेस्को की 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड-एशिया पैसिफिक रीजनल रजिस्टर' में शामिल किया है। निश्चित रूप से ऐसा होना भारत के साहित्य और कला-संस्कृति को वैश्विक सम्मान मिलना है। इससे भारतीय संस्कृति का सिर गर्व से और भी ऊंचा हुआ है।

सम्मान का भी बढ़ा मान: गोस्वामी तुलसीदास द्वारा 16वीं सदी में अवधी भाषा में लिखा गया 'रामचरितमानस' एक ऐसा महाकाव्य है, जिसको सम्मानित करके खुद सम्मान भी सम्मानित होते हैं। तुलसीदास की यूं तो दो दर्जन से ज्यादा रचनाएं उपलब्ध हैं, लेकिन उन्होंने संसार को जो 'रामचरितमानस' जैसा ग्रंथ दिया है, वैसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता है। यह महाकाव्य भले ही एक कथा कहता हो, लेकिन यह किसी एक दौर की एक कथा कहने वाला ग्रंथ नहीं है। यह दुनिया में हमेशा से मौजूद रहीं और हमेशा ही मौजूद रहने वाली इंसानी सृजन की अनगिनत कथाओं का ऐसा संगम है, जो एक सदी नहीं बल्कि कई सदियों में कभी एक बार ही रचा जाता है।

यूनेस्को ने किया 'रामचरितमानस' को सम्मानित

अद्वितीय साहित्यिक ग्रंथ: 'रामचरितमानस' सिर्फ महाकाव्य नहीं है, न ही सिर्फ भक्ति का एकत्रित स्वरूप है। यह राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और समन्वय चेतना वाली रचनात्मकता का मानक है। भले ही कुछ लोग अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के चलते बीच-बीच में इस महान ग्रंथ पर सवाल खड़े करते रहे हों, इसे गैरबराबरी और सामंतवाद का पोषक बताते रहे हों। लेकिन इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि 'रामचरितमानस' से ज्यादा समानता और समरसता की वकालत करने वाला कोई दूसरा ग्रंथ नहीं है।

सदियों से कायम प्रासंगिकता: 'रामचरितमानस' में भगवान श्रीराम के दो स्वरूप मौजूद हैं- एक उनका पालक स्वरूप और दूसरा संहारक स्वरूप। यह ग्रंथ भक्ति और करुणा से भरा हुआ है, जिसमें मानवीय संबंध एक गरिमा पाते हैं। भारतीय जनमानस में यह किस कदर भीतर तक अपनी मूल्यपरक पैठ रखता है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह ग्रंथ मुगल सम्राट अकबर के दौर में हिंदुओं के बीच जितना लोकप्रिय था, अंग्रेजों के जमाने में भी वैसा ही रहा और अंग्रेजों के जाने के बाद, इन 75 सालों में भी इस ग्रंथ की महत्ता में जरा भी कमी नहीं आई है। यह इस ग्रंथ की अपनी महत्ता ही है कि बिना किसी राजाश्रय के, बिना किसी संरक्षण के आज भी 'रामचरितमानस' भारत में हर साल सबसे ज्यादा बिकने वाली पुस्तक है। हाल के कुछ सालों में तो यह एक साल के भीतर एक करोड़ प्रतियों से भी ज्यादा बिकी है। आखिर इसकी इतनी लोकप्रियता क्यों है? सिर्फ धार्मिकता इसका कारण नहीं है। सच तो यह है कि 'रामचरितमानस' को धार्मिक-आस्थावान लोगों के साथ-साथ धर्म के प्रति उदासीन लोग भी पढ़ते और मानते हैं। दरअसल, 'रामचरितमानस' के अक्षर-अक्षर में जो भारतीयता घुली-मिली है, उसकी वजह से भी लोग इस ग्रंथ को इतना अधिक प्रेम और सम्मान देते हैं।

मिलता है अनेक समस्याओं का समाधान: 'रामचरितमानस' की एक बड़ी विशेषता यह है कि इसमें धर्म, दर्शन या साहित्य किसी भी क्षेत्र में रुचि रखने वालों को अपने लिए मूल्यवान संदेश या उपदेश मिल जाता है। यह अकारण नहीं है कि लोग अपनी रोजमर्रा के जीवन की किसी भी स्थिति को जांचने-परखने या उससे उबरने के लिए 'रामचरितमानस' की किसी पंक्ति के निहितार्थ का सहारा लेते हैं। हमारे रोजमर्रा के जीवन से उपजे अधिकांश सवालों के जवाब इस महान ग्रंथ में मिल जाते हैं। यह एक ऐसा ग्रंथ है, जो हमें जीवन में धार्मिकता, आध्यात्मिकता और सांसारिकता के बीच समन्वय स्थापित करने की प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान करता है।

कहने की आवश्यकता नहीं कि इतनी अद्वितीय विशेषताओं की वजह से ही 'रामचरितमानस' न केवल भारतीय लोगों के बीच बल्कि वैश्विक स्तर पर भी इतना मान पाता है। *

{ रोचक / धीरज बसाक }

इन नदियों में बहते हैं सोने-हीरे के टुकड़े !

नदियों में पानी तो बहता ही है, लेकिन देश-दुनिया में कुछ ऐसी नदियां भी हैं, जिनमें पानी की धारा के साथ सोने और हीरे के टुकड़े भी बहते हैं।

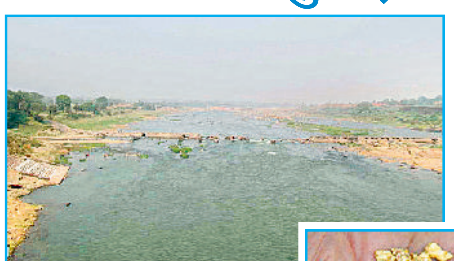

स्वर्णरेखा नदी: झारखंड की राजधानी रांची से 16 किलोमीटर दूर नगड़ी गांव में रानी चुआं नामक स्थान (जिसे रत्नगर्भा भी कहा जाता है) से निकलने वाली स्वर्णरेखा नदी 474 किलोमीटर लंबी है। झारखंड, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा से होकर बहने वाली यह ऐसी अनोखी नदी है, जिसमें सोने के महीन टुकड़े बहते हैं। शायद इसीलिए इस नदी का नाम स्वर्णरेखा रखा गया है। आषाढ़, सावन और भादो जैसे मानसून में ऊफान वाले तीन महीनों को छोड़ दें तो बाकी के अधिकांश समय में आस-पास के इलाके में रहने वाले सैकड़ों लोग, इस नदी में अलग-अलग जगहों पर सोने की खोज में गोता लगाते रहते हैं। माना जाता है कि अगर आपकी किस्मत अच्छी है तो महीने में औसतन 60 से 80 चावल के दाने के बराबर के सोने के कण मिल सकते हैं।

बहुमूल्य रत्नों वाली अन्य नदियां: देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में और भी कई नदियां हैं, जिनमें सोना, हीरा, पन्ना जैसे बहुमूल्य रत्न बहते हैं, मसलन- मध्य प्रदेश में बहने वाली सोन नदी में सोने के कणों की तरह हीरे के कण बहते हुए मिल जाते हैं। इसी तरह आंध्र प्रदेश में बहने वाली कृष्णा नदी में भी अनेक लोगों को छोटे-छोटे हीरे मिल चुके हैं। अब अगर बात विदेशों में बहने वाली नदियों की करें तो अफ्रीकी देश बोत्सवाना में बहने वाली आरपेनेज नदी भी इसीलिए प्रसिद्ध है। यहां भी कई बार लोगों को बहते हुए हीरे मिले हैं। कनाडा के डासन शहर से होकर बहने वाली क्लोंडाइक नदी की तलछट में भी सोने के कण पाए जाते हैं। कई लोग यहां भी इन कणों को हासिल करने के लिए तलछट की खुदाई करते रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया में बहने वाली फ्रीमेन नदी और अमेरिका में बहने वाली जॉस नदी भी ऐसी ही नदियों में शामिल हैं, जहां हीरे के टुकड़े बहते हुए मिल जाते हैं। अमेरिका की ही सैक्रामेंटो नदी के किनारों पे सोने की परत चढ़ी हुई है। *

{ आत्मप्रेरणा / अतुल मलिकराम }

दूसरों के हित में निहित अपना कल्याण

हम सभी ने अपने स्कूल के दिनों में हिंदी विषय में 'कर भला तो हो भला' कहावत या उससे जुड़ी कहानी पढ़ी है। लेकिन अफसोस, कच्ची उम्र में दी गई इस पक्की सीख के मायने हम भूलते गए।

सीख देती प्यारी कहानी: एक बार एक चींटी किसी जंगल में नदी किनारे लगे एक पेड़ की शाखा पर चल रही थी। अचानक तेज हवा चली और उसके झोंके से चींटी नदी में गिर गई और पानी में बहने लगी। उसी पेड़ की टहनी पर बैठे एक कबूतर की नजर अचानक से उस नन्ही चींटी पर पड़ी और उसने बिना एक सेकेंड की भी देर किए अपनी चोंच की सहायता से पेड़ से एक पत्ता तोड़ा और चींटी के ठीक पास पानी में डाल दिया। चींटी उस पत्ते पर बैठ गई। अब वह बिल्कुल सुरक्षित थी। कबूतर ने जल्दी से उड़कर वह पत्ता पुनः चोंच से उठाकर पेड़ पर रख दिया। इस प्रकार, चींटी को जीवन दान मिल गया और वो दोनों सच्चे मित्र बन गए। कुछ दिनों बाद उस जंगल में एक शिकारी आया और उसने पेड़ पर आराम से बैठे कबूतर को निशाना बनाना चाहा। इस बात का अंदाजा कबूतर को बिल्कुल भी नहीं था। लेकिन पेड़ के तने पर बैठी चींटी ने जैसे ही शिकारी को देखा, वह तुरंत उसकी मंशा को भांप गई। उसने तुरंत ही

तने से उतरना शुरू कर दिया और शिकारी की बांह पर चढ़ गई। जैसे ही शिकारी ने अपना निशाना साधा, चींटी ने उसे डंक मार दिया, फिर क्या था, शिकारी का निशाना चूक गया और तीर दूसरी टहनी से टकरा कर सीधा निकल गया। कबूतर ने जैसे ही नीचे देखा कि शिकारी उसकी जान लेना चाहता है, वैसे ही वह अपने स्थान से उड़ गया। इस बार चींटी ने कबूतर की जान बचा ली।

बचपन में पढ़ी-सुनी यह कहानी हमें सीख देती है कि संसार में हम लोगों के साथ जैसा व्यवहार करते हैं, बिल्कुल वही व्यवहार हमारे पास लौटकर आता है। यह भी स्पष्ट है कि कोई कितना ही संपन्न या समृद्ध हो, मुसीबत सबके जीवन में आती है। इसलिए, यदि हम चाहते हैं कि हमारे संकट के समय में हमें उचित सहायता मिले, तो पहले हमें यह रवैया अपनाना होगा और किसी मुसीबत में फंसे व्यक्ति और अन्य प्राणियों की निःस्वार्थ भाव से सहायता करनी होगी।

भलाई नहीं होती व्यर्थ: जीवन अनगिनत सफलताओं और असफलताओं का सफर है। इस सफर में हमें अनगिनत चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जब समय मुश्किल राह से गुजर रहा होता है और सफलता के रास्ते धुंधले नजर आते हैं, तो 'कर भला तो हो भला' कहावत ही हमारे सामने सच्ची मार्गदर्शक बनकर आती है। यह कहावत अपने में जीवन का सबसे बड़ा सबक लिए है, जो हमें यह सिखाती है कि यदि हमारे भीतर दूसरों का भला करने की प्रवृत्ति है, तो यह किसी न किसी रूप में हमारे लिए भी सहायक ही सिद्ध होगी। एक सही कार्य करने से न सिर्फ हमारी आत्मा पवित्र होती है, बल्कि यह हमें समर्पण की भावना का उपहार भी देता है।

मिलती है आत्मसंतुष्टि: जब भी हम किसी की मदद करते हैं, तो इससे हमें भी आत्मतृप्ति और संतुष्टि का अहसास होता है। जब हम भला करते हैं, तो हमारा मन-मस्तिष्क हमें खुश रखने में भी मददगार होता है। *

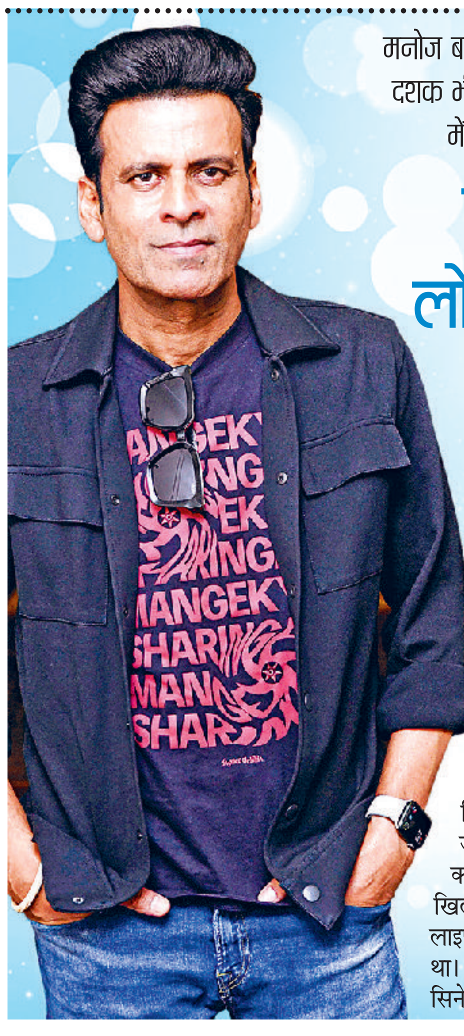

मनोज बाजपेयी के करियर की सौवीं फिल्म 'भैया जी' रिलीज हो चुकी है। इसी के साथ उन्होंने फिल्मों में तीन दशक भी पूरे कर लिए हैं। अपूर्व सिंह कार्की निर्देशित 'भैया जी' में उनका किरदार किस तरह का है? फिल्मों में अपनी इस तीस साल की अभिनय यात्रा को वह कैसे देखते हैं? बेबाक बातें मनोज बाजपेयी से।

मुझे मिला देसी सुपर स्टार का टैग लोगों को पसंद आ रहा है: मनोज बाजपेयी

{ खास मुलाकात / पूजा सामंत }

फिल्म 'भैया जी' आपके करियर की 100 वीं फिल्म है, इस फिल्म को करने के लिए आप कैसे राजी हुए ?

इस फिल्म के निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की, गजब के प्रतिभाशाली हैं। उनके साथ मैंने फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' की थी, जो काफी पसंद की गई। फिल्म 'भैया जी' मेरी 100वीं फिल्म है। पता नहीं कैसे अपूर्व को इसकी जानकारी मिली। इसी खोजबीन में पता चला कि मेरे करियर को भी तीस वर्ष अर्थात तीन दशक हो गए हैं। इस बात को लेकर मेरे दिमाग में कोई प्लानिंग नहीं थी। हां, यह जरूर सोच रहा था कि आम इंसान की जद्दोजहद पर फिल्म करनी चाहिए। उसी बीच अपूर्व, फिल्म 'भैया जी' का प्रपोजल लेकर मेरे पास आए। इस फिल्म की कहानी में एक सीधे-सादे आदमी का व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष है। मुझे फिल्म में अपना किरदार लार्जर दैन लाइफ सा लगा, इसलिए मैं यह फिल्म नहीं करना चाहता था। कहीं न कहीं मेरे दिमाग में यह था कि मैं कमर्शियल सिनेमा के ढांचे में फिट नहीं हूं। लेकिन अपूर्व की जिद थी कि मैं यह फिल्म जरूर करूं। उनकी इस जिद के आगे मैंने सरेंडर कर दिया। अपूर्व की जबरदस्त इच्छाशक्ति के कारण यह फिल्म बन पाई है।

फिल्म 'भैया जी' के एक दृश्य में मनोज बाजपेयी

सुना है आपने अपने रोल के लिए निर्देशक से कह दिया था कि आपको किसी दूसरे एक्टर से मिला देते हैं ?

हां कह तो दिया था। असल में मुझे पता चला कि फिल्म 'भैया जी' में मेरा जो किरदार है, उसे अपने दुश्मनों से निपटने के लिए काफी फाइटिंग सीन्स देने हैं। वह बहुत पीटता है, खुद भी मार खानी पड़ती है। इस तरह के फिजिकल डिमांडिंग सीन्स मैंने कभी किए नहीं थे। मुझे लगा कि मेरे लिए ये सीन्स बड़े तकलीफदेह होंगे। किसी एक्शन इमेज हीरो वाले को फिल्म में लेना बेहतर रहेगा। इस पर अपूर्व बोले, 'सर, आप यह फिल्म नहीं करेंगे तो मैं फिल्म नहीं करूंगा। अगर आप यह फिल्म करेंगे तो यह अनयूजुअल फिल्म होगी। एक्शन हीरो मार-धाड़ करता है तो लोग मान लेते हैं कि कोई बड़ी बात नहीं है। लेकिन मनोज बाजपेयी एक्शन करते हैं, यह एक अलग और बड़ी बात होगी। अपूर्व का पैशन और कन्विक्शन देखकर मैं फिल्म को करने के लिए तैयार हो गया।

फिल्म 'भैया जी' में मनोज बाजपेयी का दबंग अंदाज

आपको इस फिल्म से अब देसी सुपर स्टार का तमगा मिल गया है, इस पर क्या कहेंगे ?

यह आइडिया भी निर्देशक अपूर्व का ही है। उनकी यह सोच थी कि मैं बिहार के छोटे शहर बेतिया से आता हूं। वहां से यहां तक की मेरी जर्नी कामयाब रही है। इसलिए मैं देसी सुपर स्टार हूं। अपूर्व ने मुझे फाइनल ट्रेलर दिखाए बिना ही हैश टैग देसी सुपर स्टार जोड़ दिया। मजे की बात है कि लोगों को मेरा यह तमगा बेहद पसंद आ रहा है।

तीस वर्षों का लंबा करियर, 100 फिल्में। इस उपलब्धि के लिए किसे क्रेडिट देंगे, किस्मत या मेहनत को ?

मैं अपने आपको किस्मत का धनी नहीं मानता हूं। मेरा मानना है, किस्मत तभी साथ देती है, जब इंसान मेहनत करे। जहां तक मेरी बात है तो करियर में कभी आगे बढ़ा, कभी पिछड़ गया फिर कोई फिल्म थोड़ी चली, अगली नहीं चली। कभी धड़ाम से नीचे गिरा फिर उठकर आगे बढ़ता गया। बिना हिट-फ्लॉप की चिंता किए काम करता गया। मुझे मेरे निर्देशकों की वजह से अच्छे किरदार मिले। निर्देशकों ने मुझ पर भरोसा किया। इस तरह मुझे एक अच्छा मुकाम मिला।

आपके लुक्स कन्वेंशनल हीरो के नहीं हैं, यह आपके लिए फायदेमंद रहा या परेशानी का सबब ?

बॉलीवुड में नाना पाटेकर पहले ऐसे सितारे हैं, जिनके पास ट्रेडिनशल हीरो वाला चॉकलेटी चेहरा नहीं था। लेकिन उनका भाग्य और उनका टैलेंट उन्हें ऐसे स्थान पर ले गया, जहां कोई सोच भी नहीं सकता। अपने समय के वो बहुत बड़े सितारे बने। जब अमिताभ बच्चन आए थे, उनके बारे में भी यह कहा गया था कि वो कन्वेंशनल गुड लुकिंग एक्टर की कैटेगिरी में नहीं आते। हर पीढ़ी में कोई न कोई ऐसा कलाकार आया है, जिसने कन्वेंशनल गुड लुक्स की परिभाषा को तोड़ा है। शत्रुघ्न सिन्हा गुड लुकिंग हीरो में शामिल नहीं थे फिर भी बड़े सितारे बने। लेकिन इस सच को भी झुठलाया नहीं जा सकता कि इंडस्ट्री बार-बार गुड लुक्स पर जाती है, गुड लुक्स को तवज्जो देती है, लेकिन हम दुखी-परेशान ना हों। हम अपना काम करते रहें, अपनी कला निखारते रहें। हम अपना काम करेंगे, भाग्य अपना काम करेगा। अगर कोई डायरेक्टर कन्वेंशनल गुड लुक्स के हीरो को चाहता है तो यह उसकी मर्जी है, लेकिन मेरी मां और मेरी पत्नी के लिए मुझ से ज्यादा गुड लुकिंग इस दुनिया में और कोई नहीं है। जो टिपिकल फिल्मी हीरो जैसे नहीं हैं, उन्हें अपनी ऑडियंस क्रिएट करनी होगी।

इन दिनों आप किन प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं ?

मैं कनु बहल की नेक्स्ट फिल्म करूंगा। एक फिल्म राम रेड्डी की है 'फेबल', जो बर्लिन फिल्म फेस्टिवल में जा रही है। 'फैमिली मैन' का अगला सीजन भी आने वाला है। *